শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 03 | गुवाहाटी | सोमवार, 3 अगस्त, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पप्पू यादव की प्रेस वार्ता में हंगामा, एक अज्ञात व्यक्ति के चप्पल फेंकने का... पेज 2
प्रदेश भाजपा की पहल पर बाढ़ प्रभावितों की मदद में जुटे कार्यकर्ता पेज 3
महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण से बनेगा समृद्ध राजस्थान नशा मुक्त युवा... पेज 5
ग्लासगो में भारतीय बाक्सरों की चमक, अंकुश सचिन स्वर्ण विजेता, लवलीना... पेज 7

door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

योग्य सहायकों के बिना निर्णय करना बड़ा कठिन होता है।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

राहुल गांधी ने खुद को बताया छात्र

नई दिल्ली। फ्रेंडशिप डे के मौके पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देश के युवाओं के लिए एक खास मैसेज शेयर किया। उन्होंने सभी को फ्रेंडशिप डे की शुभकामनाएं दीं और लिखा कि वह आज भी खुद को एक छात्र ही मानते हैं और हर दिन कुछ न कुछ नया सीखने की कोशिश करते हैं। राहुल गांधी ने दोस्ती को जिंदगी का सबसे अनमोल रिश्ता बताते हुए कहा कि प्यार, भरोसा और एक-दूसरे से सीखते -शेष पृष्ठ दो पर

स्वात में पुलिस स्टेशन पर आत्मघाती हमला सात की मौत, 18 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के स्वात जिले में पुलिस स्टेशन के बाहर हुए आत्मघाती बम धमाके में 7 लोगों की मौत हो गई है और 18 घायल हो गए हैं। स्वात जिले के पुलिस अधिकारी उमर खान ने बताया कि जब पुलिसकर्मियों ने स्टेशन के गेट पर हमलावर को रोकने और उसकी तलाशी लेने की कोशिश की, तो उसने विस्फोटक में धमाका कर दिया। सुरक्षाबलों ने तुरंत इस -शेष पृष्ठ दो पर

बाढ़ प्रभावितों का जायजा लेने ऊपरी असम के चार दिवसीय दौरे पर डिब्रूगढ़ पहुंचे सीएम

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। ऊपरी असम के बाढ़ प्रभावित जिलों के दौरे पर आज मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा डिब्रूगढ़ पहुंचे। मुख्यमंत्री आगामी 5 अगस्त तक ऊपरी असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर जायजा लेंगे। साथ ही राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री ने आज केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल के डिब्रूगढ़ स्थित अपने आवास पर उपस्थित होकर उनके दिवंगत बड़े भाई, भारतीय स्टेट बैंक के सेवानिवृत्त महाप्रबंधक, प्रतिष्ठित समाजसेवी मिष्ट प्रसाद सोनोवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि एक सरलता, निष्ठावान कार्यजीवन और उच्च मानवीय मूल्यों से पूर्ण सोनोवाल का निधन समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने उनकी आत्मा की शांति की कामना करते हुए कहा कि, मैं सर्वानंद सोनोवाल और शोक-संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं प्रकट करता हूं। वहीं दूसरी ओर, मुख्यमंत्री आज डिब्रूगढ़ जिले के चाबुआ, बलिजान, पुखुरीजान, दिनजान और रहमरिया सहित सभी तक कटाव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर परिस्थितियों का निरीक्षण करने के साथ-साथ कटाव के मुख्य कारणों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि फिलहाल संबंधित विभाग युद्धकालीन तत्परता के साथ स्थिति को नियंत्रित करने के लिए काम कर रहे हैं। लेकिन, इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए वैज्ञानिक और दीर्घकालिक कदम बहुत जरूरी हैं। इसी उद्देश्य से सरकार कुछ योजनाएं भी बना रही है। चाबुआ विधानसभा क्षेत्र के खखनिया इलाके का दौरा कर पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आईआईटी के विशेषज्ञों के साथ जल्दी ही बैठक में मिलकर कटाव प्रतिरोधी रूपरेखा अपनाने की तैयारी की जा रही है। वहीं, बाढ़ प्रभावित इलाकों में विद्युत आपूर्ति को बहाल किए जाने के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि परिस्थितियों की प्रतिकूलताओं को झेलते हुए भी प्रभावित क्षेत्र में बिजली पहुंचाकर लोगों को थोड़ी राहत देने के लिए लगातार प्रयास जारी है! हमारी बिजली योद्धाओं के काम की ईमानदारी की हम सराहना करते हैं। वहीं, खारजान चाय बागान में श्रीश्री जगन्नाथ महाप्रभु की मुख्यमंत्री ने पूजा-अर्चना की। इस बीच शांतिपूर्ण -शेष पृष्ठ दो पर

बाढ़ प्रभावितों के लिए मुख्यमंत्री ने की कई घोषणाएं

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बीती रात घोषणा की कि बाढ़ से प्रभावित शिवसागर और चराईदेउ जिलों में घरेलू बिजली उपभोक्ता, जिन्होंने जुलाई में 300 यूनिट तक बिजली का इस्तेमाल किया है, उन्हें अपना बिजली बिल नहीं देना होगा; राज्य सरकार मुख्यमंत्री राहत कोष से इसका खर्च उठाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा आज ऊपरी असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेने जाएंगे एवं चलाए जा रहे राहत कार्यों की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर आज एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया है कि वे 2 से 5 अगस्त तक ऊपरी असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों में मौजूद रहेंगे। साथ ही डिब्रूगढ़ स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय में विशेष बैठकों में भी हिस्सा लेंगे। फेसबुक लाइव सेशन में बोलते हुए, डॉ. शर्मा ने कहा कि इस राहत उपाय का मकसद हाल की बाढ़ से प्रभावित परिवारों पर आर्थिक बोझ को कम करना है। उन्होंने कहा कि 300 यूनिट तक इस्तेमाल करने वाले स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के अकाउंट सरकार रिचार्ज करेगी, जबकि इसी खपत सीमा के अंदर आने वाले पोस्ट-पेड उपभोक्ताओं के जुलाई के बिल मुख्यमंत्री राहत कोष -शेष पृष्ठ दो पर

असम बाढ़ : रिलायंस फाउंडेशन ने सीएम राहत कोष में दिए 21 करोड़ रुपए

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को बताया कि रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और चेयरपर्सन नीता अंबानी ने ऊपरी असम में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए असम के मुख्यमंत्री राहत कोष में 21 करोड़ का योगदान दिया है। सोशल मीडिया फेसबुक पर मुख्यमंत्री ने एक पोस्ट शेयर करते हुए अंबानी और रिलायंस फाउंडेशन का आभार जताते हुए कहा कि इस संगठन ने संकट के समय में हमेशा असम के लोगों की मदद की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी राज्य ने मुश्किल समय का सामना किया है, रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और चेयरपर्सन नीता अंबानी हमेशा -शेष पृष्ठ दो पर

होटल के नैपकिन पर भारत के मानचित्र से गायब था पूर्वोत्तर, लवलीना ने जताई आपत्ति

गुवाहाटी (हि.स.)। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में रजत पदक जीतने वाली असम की स्टार मुक्केबाज लवलीना बरगोहाईं ने ग्लासगो के एक होटल में भारत के मानचित्र को गलत तरीके से प्रदर्शित किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई। जानकारी के अनुसार, राष्ट्रमंडल खेलों में भाग ले रहे भारतीय दल के सम्मान में मिस्टर सिंह्स इंडिया – द होम ऑफ करी नामक रेस्तरां में विजय उत्सव के अवसर पर रात्रिभोज का आयोजन किया गया था। इस दौरान होटल में इस्तेमाल किए जा रहे नैपकिन पर छपे भारत के मानचित्र -शेष पृष्ठ दो पर

आईआईटी गुवाहाटी की छात्रा के ब्रह्मपुत्र नदी में डूबने से मौत, साथी को बचाया गया सुरक्षित

गुवाहाटी। असम में आईआईटी गुवाहाटी की एक छात्रा की ब्रह्मपुत्र नदी में दुर्घटनावश गिरने से मौत हो गई, जबकि उसकी एक साथी घायल हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों छात्राएं कैंपस के बाहर नदी के किनारे समय बिताने गई थीं, तभी अचानक उनका पैर फिसल गया और वे नदी में गिर गईं। घटना की जानकारी तुरंत एनडीआरएफ को दी गई, जिसके बाद गोताखोरों की टीम को तलाशी अभियान के लिए तैनात किया गया। त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम ने 10 मिनट के भीतर एक छात्रा को सुरक्षित नदी से बाहर निकाल लिया। हालांकि, दूसरी छात्रा को नहीं बचाया जा सका और करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने उसका शव बरामद किया। पुलिस की शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह घटना पूरी तरह से एक हादसा प्रतीत होती है। इस दुखद घटना पर आईआईटी गुवाहाटी ने एक आधिकारिक बयान जारी कर गहरा शोक व्यक्त किया है। संस्थान ने बताया कि मृतका इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग की बीटेक तृतीय वर्ष की छात्रा थी और यह दर्दनाक हादसा कल शाम लाठिया बागीचा घाट के पास हुआ। संस्थान ने अपने -शेष पृष्ठ दो पर

जनगणना 2027: मुख्यमंत्री ने स्वयं की जानकारी भरने की प्रक्रिया में शामिल होने की अपील की

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को राज्य भर में शुरू हुई जनगणना 2027 की *सेल्फ-एन्यूमरेशन* (खुद जानकारी भरने की) प्रक्रिया में लोगों से शामिल होने और ऑनलाइन जानकारी भरते समय सही जानकारी देने की अपील की। मुख्यमंत्री ने खुद भी अपनी जानकारी भरी और दूसरों को भी इस प्रक्रिया में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि आज असम में जनगणना 2027 के लिए ऑनलाइन सेल्फ-एन्यूमरेशन की शुरुआत हो रही है, जिसमें आप घर बैठे अपनी जानकारी भर सकते हैं। मैंने अभी अपनी जानकारी भरी है; सभी से अनुरोध है कि वे अपनी जानकारी सही-सही भरें और इस प्रक्रिया का हिस्सा बनें। एक वीडियो संदेश में, मुख्यमंत्री ने लोगों से सही जानकारी देने और देशव्यापी जनगणना प्रक्रिया में भाग लेकर एक नागरिक के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की। ऑनलाइन सेल्फ-एन्यूमरेशन की सुविधा 2 अगस्त से 16 अगस्त तक आधिकारिक जनगणना सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल के जरिए खुली रहेगी, जिससे निवासी डिजिटल रूप से घर और व्यक्ति से जुड़ी जानकारी जमा कर सकेंगे। अधिकारियों के अनुसार, ऑनलाइन सेल्फ-एन्यूमरेशन -शेष पृष्ठ दो पर

व्यावसायिक कोयला खनन से देश में उत्पादन एक अरब टन के पार पहुंचा, 141 खदानों की हुई नीलामी

नई दिल्ली (हि.स.)। देश में व्यावसायिक कोयला खनन व्यवस्था लागू होने के बाद कोयला उत्पादन एक अरब टन से अधिक रहा है। जून 2020 से अब तक 14 चरणों में 141 व्यावसायिक कोयला खदानों की नीलामी की जा चुकी है, जिससे पूर्ण उत्पादन शुरू होने पर प्रतिवर्ष लगभग 47 हजार करोड़ रुपए का राजस्व और करीब 4.75 लाख रोजगार सृजित होने का अनुमान है। कोयला मंत्रालय ने रविवार को बताया कि वर्ष 2024-25 में देश का कोयला उत्पादन 1,047.52 मिलियन टन तथा वर्ष 2025-26 में 1,040.08 मिलियन टन रहा। वर्ष 2014-15 में यह उत्पादन 609.18 मिलियन टन था। मंत्रालय के अनुसार, इस वृद्धि में कैप्टिव और व्यावसायिक कोयला खदानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और राष्ट्रीय उत्पादन में उनकी हिस्सेदारी वर्ष 2021-22 के 10.9 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 20.2 प्रतिशत हो गई। मंत्रालय ने बताया कि भारत विश्व का पांचवां सबसे बड़ा कोयला भंडार रखने वाला तथा दूसरा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक और उपभोक्ता देश है। देश की प्राथमिक ऊर्जा आवश्यकता का -शेष पृष्ठ दो पर

हैलाकांदी में किशोरी से दुष्कर्म के बाद हत्या, नाबालिग समेत पांच हिरासत में

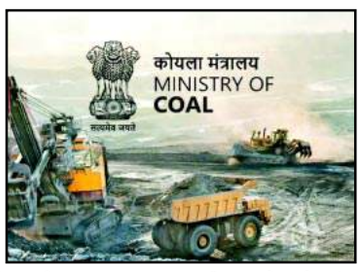

गुस्साए लोगों ने किया एनएच-6 जाम

हैलाकांदी। असम के हैलाकांदी जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक अज्ञात बदमाश द्वारा 15 वर्षीय लड़की के साथ कथित तौर पर बलात्कार कर उसकी हत्या कर दी गई। यह घटना बीती रात लगभग 11:30 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग 6 के पास स्थित एक घर में हुई, जो काटलीचेरा पुलिस चौकी के अधिकार क्षेत्र में आता है। रिपोर्टों के अनुसार, अपराधी ने परिवार के अन्य सदस्यों की अनुपस्थिति -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में नौ उग्रवादी गिरफ्तार हथियार और छह आईईडी बरामद

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अलग-अलग अभियानों में पिछले 24 घंटों के दौरान प्रतिबंधित विद्रोही संगठनों से जुड़े नौ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। उनसे हथियार, गोला-बारूद व अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। अधिकारियों ने रविवार को जानकारी साझा की। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मणिपुर पुलिस और दूसरी सुरक्षा एजेंसियों के संयुक्त अभियान में थोउबल, तामेंगलोंग, काकचिंग, चंदेल, इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों से नौ उग्रवादियों को पकड़ा गया। पकड़े गए उग्रवादी प्रतिबंधित संगठनों में कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी), पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और उसके पॉलिटिकल विंग रिवोल्यूशनरी पीपल्स फ्रंट (आरपीएफ) नेशनल -शेष पृष्ठ दो पर

नाबालिग ने सात गाड़ियों को मारी टक्कर, एक वरिष्ठ नागरिक को कुचला

हैदराबाद। हैदराबाद के बोराबंडा इलाके में रविवार को एक 17 साल के नाबालिग ने एक के बाद एक 7 गाड़ियों को टक्कर मारी। इसके बाद एक और बाइक से टकरा गया, जिससे बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि नाबालिग कार लेकर सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों की लाइन में घुस गया, इसके बाद सामने से आ रही एक बाइक से टकरा गया। इस टक्कर से दोनों सवार बाइक से गिर गए। उनमें से एक गाड़ी के रास्ते से हटने के बाद बाल-बाल बच गया और गंभीर चोटें आईं, जबकि बाइक सवार दूसरा भी व्यक्ति -शेष पृष्ठ दो पर

करियर और परिवार को बर्बाद कर देता है नशा खतरों को समझें और दूर रहें युवा : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को युवाओं को नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि ड्रग्स कुछ समय के लिए हाई देता है लेकिन आपके करियर और फैमिली लाइफ को लो कर देता है। ऐसे में हमें संकल्प लेना चाहिए कि हमारे युवा नशा और ड्रग्स के खतरों को समझकर जागरुक रहते हुए इससे दूर रहें। प्रधानमंत्री मोदी ने आज *नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान* का शुभारंभ किया। इस दौरान राष्ट्रव्यापी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 28 हजार से अधिक स्थानों पर एक करोड़ से अधिक युवा जुड़े। प्रधानमंत्री ने कहा कि नशे से परिवार, समाज और -शेष पृष्ठ दो पर

प्रणब दोले पर एनएसए लगाने की कांग्रेस ने की निंदा

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने असम सरकार द्वारा भूमि अधिकार कार्यकर्ता प्रणब दोले पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) लगाने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह निवारक हिरासत कानूनों का खुला दुरुपयोग है और अदालत के आदेश को निष्प्रभावी करने की कोशिश है। रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म *एक्स* पर कहा कि 29 जुलाई को सेशंस कोर्ट ने दोले को जमानत दी थी और अदालत ने यह भी टिप्पणी की थी कि जहां पारिस्थितिक संरक्षण और आदिवासी अस्तित्व का सवाल जुड़ा हो, वहां वैध स्थानीय चिंताओं को दबाने के लिए आपराधिक कानून का इस्तेमाल नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED
For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
94350-14771

पप्पू यादव की प्रेस वार्ता में हंगामा, एक अज्ञात व्यक्ति के चप्पल फेंकने का आरोप, समर्थकों ने की पिटाई

नई दिल्ली (हि.स.)। निर्दलीय सांसद राजेश रंजन *पप्पू* यादव के दिल्ली स्थित आवास पर शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान उस समय हंगामा मच गया, जब एक अज्ञात व्यक्ति ने उन पर कथित तौर पर चप्पल फेंक दी। घटना के तुरंत बाद वहां मौजूद समर्थकों ने आरोपित को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। बाद में मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी ने हस्तक्षेप कर उसे भीड़ से बाहर निकाला। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है कि प्रेस वार्ता के दौरान एक व्यक्ति पप्पू यादव से कहता है कि भगवा कपड़ा पहन कर उन्होंने भगवान राम की मूर्ति को अयोध्या से सांसद अवधेश प्रताप के पैरों में रख दी, ये बात ठीक नहीं है। इसके बाद उस शख्स ने अपनी चप्पल पप्पू यादव पर फेंक कर मारी। वीडियो में इसके बाद वहां मौजूद कार्यकर्ता चारों ओर से थप्पड़ व घूंसों से उसकी पिटाई करते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान उसकी शर्ट भी फट जाती है। वीडियो में इस दौरान पुलिसकर्मी बीच-बचाव कर उसे भीड़ से सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश करता दिखाई देता है। हालांकि जब तक उसे बाहर निकाला जाता तब तक पप्पू यादव के समर्थकों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। वीडियो में पप्पू यादव भी अफरातफरी के बीच एक अन्य व्यक्ति को पकड़कर ले जाते हुए नजर आते हैं। चप्पल फेंकने वाले व्यक्ति की पहचान अब तक सामने नहीं आई है। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब राममंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर संसद परिसर में पप्पू यादव के विरोध प्रदर्शन को लेकर विवाद पहले से जारी है। शुक्रवार को संसद भवन के बाहर विपक्षी सांसदों ने इस मुद्दे को लेकर सांकेतिक प्रदर्शन किया था। पप्पू यादव पुजारी के वेश में दानपात्र लेकर पहुंचे थे, जबकि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रतीकात्मक रूप से उसमें चंदा डाला था। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने सांकेतिक रूप से *चोरी पकड़े जाने* का नाटक करते हुए पप्पू यादव की प्रतीकात्मक पिटाई भी की थी। इस प्रदर्शन के बाद उत्तर प्रदेश के कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए। वाराणसी में पातालपुरी मठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु बालक दास की शिकायत पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी सांसद अवधेश प्रसाद और निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। वहीं, लखनऊ में सनातन रक्षा संगठन ने पप्पू यादव की प्रतीकात्मक शवयात्रा निकाली और उनके खिलाफ प्रदर्शन किया। मथुरा में साधु-संतों ने राहुल गांधी और पप्पू यादव की संसद सदस्यता रद्द करने की मांग उठाई थी।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी करे राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर भाजपा और ट्रस्ट को लेकर दावा किया कि मंदिर निर्माण के दौरान सैकड़ों करोड़ रुपए की चोरी हुई, सोने-चांदी पिघलाकर बेचे गए और पैसा शेयर बाजार में लगाया गया। उन्होंने इसे करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था पर डकैती बताते हुए उच्चतम न्यायालय की देखरेख में विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने की मांग की। प्रमोद तिवारी ने रविवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि मंदिर में सिर्फ चढ़ावे की चोरी नहीं हुई, बल्कि शिला पूजन के समय से ही गड़बड़ियां शुरू हो गई थीं। भाजपा ने मंदिर निर्माण को हमेशा चुनावी मुद्दा बनाए रखा और वास्तविक निर्माण उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद ही संभव हुआ। उन्होंने कहा कि प्राण-प्रतिष्ठा अधूरे मंदिर में कराई गई और शंकराचार्यों को आमंत्रित नहीं किया गया, जबकि पूजा उन्हीं से कराई जानी चाहिए थी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या दौरे की तैयारियों पर 112 करोड़ रुपए खर्च किए गए, जिसमें फूल और कुर्सियों की खरीद कई गुना अधिक कीमत पर की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के दौरान सात बड़े जमीनी सौदे हुए, जिनमें सर्किल रेट से 17 गुना अधिक रकम का भुगतान किया गया। एक सौदे में 2 करोड़ रुपए की जमीन खरीदकर 10 मिनट बाद 18 करोड़ रुपए में बेची गई। मंदिर से

पूसीरे की रेसुब ने रेस्क्यू और बरामदगी के साथ 15 सफल अभियान चलाए

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) ने 28 और 29 जुलाई को अपने क्षेत्राधिकार में 15 महत्वपूर्ण अभियानों को सफलतापूर्वक अंजाम देकर यात्री सुरक्षा, अपराध रोकथाम और मानवीय सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जारी रखी। इन अभियानों में यात्रियों की सहायता, अपराध की पहचान, दलाल विरोधी अभियान, प्रतिबंधित वस्तुओं एवं चोरी की संपत्ति की बरामदगी, असुरक्षित व्यक्तियों का रेस्क्यू तथा रेल संपत्ति की सुरक्षा शामिल थे, जो रेसुब कर्मियों की निरंतर सतर्कता और समर्पण को प्रदर्शित करता है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि रेसुब जवानों ने अनुकरणीय तत्परता दिखाते हुए पूर्णिया रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 15701 में यात्रा कर रही एक बुजुर्ग महिला यात्री को समय पर अस्पताल पहुंचाकर जान बचाई। एक अन्य घटना में, उन्होंने गंगारामपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 15743 से यात्रा कर रहे एक बीमार यात्री को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया। प्रतिबंधित पदार्थों के अवैध परिवहन के खिलाफ अपने निरंतर अभियान को जारी रखते हुए, रेसुब ने रंगिया रेलवे स्टेशन पर एक लावारिस खेप से लगभग 44 हजार मूल्य की एस्कफ कफ सिरप की 200 बोतलें बरामद कीं। बारसोई, न्यू जलपाईगुड़ी और किशनगंज रेलवे स्टेशनों पर चलाए गए तीन अलग-अलग अभियानों में रेसुब ने लगभग 28 हजार मूल्य की 119 बोतल अवैध शराब भी बरामद किए।

सोनीपत : शिवाला मस्तनाथ में महाशिवपुराण, कलश यात्रा में शामिल हुई सैकड़ों महिलाएं

सोनीपत (हिंस)। सनातन धर्म मंदिर शिवाला मस्तनाथ में रविवार को आयोजित कांवड़ शिविर और महाशिवपुराण कार्यक्रम श्रद्धा व भक्ति के माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा की धर्मपत्नी डॉ. रीटा शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचीं। उन्होंने भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना, जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। डॉ. रीटा शर्मा ने महिलाओं के साथ कलश यात्रा में शामिल हुईं। उनके शामिल होने से श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला। मंदिर परिसर और आसपास का वातावरण हर-हर महादेव तथा बम-बम भोले के जयकारों से गूंज उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। महाशिवपुराण कथा के दौरान कथा वाचक महासाध्वी श्री प्रियंका शास्त्री ने भगवान शिव की महिमा, सनातन धर्म के आध्यात्मिक महत्व तथा धर्म, सेवा और सद्भाव के संदेश पर प्रकाश डाला। डॉ. रीटा शर्मा ने कहा कि भगवान शिव की आराधना से मन को शांति और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को अपनी संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की उपासना सत्य, सेवा, संयम और सद्भावना के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। कार्यक्रम के दौरान डॉ. रीटा शर्मा ने श्री सनातन धर्म मंदिर शिवाला मस्तनाथ समिति की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बनाए गए नवनिर्मित शौचालय का लोकार्पण किया। उन्होंने समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि धार्मिक स्थलों पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होना आवश्यक है, जिससे विशेषकर महिलाओं और दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके।

गुवाहाटी में बेटे ने मां को उतारा मौत के घाट

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी महानगर के खारघुली इलाके में एक युवक द्वारा बड़ी बेरहमी से अपनी मां की हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि खारघुली इलाके में मालती बोड़ो नामक महिला की उसके बेटे ने बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने महिला की हत्या करने के आरोप में उसके बेटे दीपेन बोड़ो को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित नशा का आदी बताया गया है। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भेज दिया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

कोलकाता में तसलीमा नसरीन के कार्यक्रम में हंगामा, ममता के करीबी रहे जॉय गोस्वामी का विरोध

कोलकाता। करीब दो दशक बाद कोलकाता लौटीं निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन के एक कार्यक्रम में शनिवार को हंगामा हो गया। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के दौरान तसलीमा नसरीन ने मशहूर बांग्ला कवि जॉय गोस्वामी को मंच पर बुलाया। इस पर दर्शकों के एक वर्ग ने इसका विरोध किया। इससे तसलीमा नसरीन को अपना भाषण कुछ देर के लिए रोकना पड़ा। दरअसल यह घटना तब हुई जब तसलीमा नसरीन के लगभग दो दशक बाद कोलकाता लौटने के मौके पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। भाषण देने के लिए बुलाए जाने के तुरंत बाद, उन्होंने दर्शकों के बीच बैठे हाल के समय के बेहतरीन बांग्ला कवियों में से एक, जॉय गोस्वामी से मंच पर आने का अनुरोध किया। बताया जा रहा है कि जैसे ही साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता जॉय गोस्वामी अपनी सीट से उठकर मंच की ओर बढ़ने लगे, दर्शकों के एक हिस्से ने जोरदार विरोध और शोर-शराबा शुरू कर दिया, जिससे उन्हें वापस मुड़कर अपनी सीट पर बैठना पड़ा। अचानक हुए इस हंगामे के कारण तसलीमा नसरीन कुछ पल के लिए चुपचाप माइक के पास खड़ी रहीं, जबकि ऑडिटोरियम नारों और तेज आवाजों से गूंज रहा था। इस दौरान आयोजकों ने बार-बार दर्शकों से शांति बनाए रखने की अपील की, लेकिन हंगामा कई मिनटों तक जारी रहा। अपनी चुप्पी तोड़ते हुए, तसलीमा नसरीन ने आखिरकार सीधे दर्शकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि क्या मैं बोलूं? तो कृपया शांत हो जाएं और अपनी-अपनी जगह पर बैठ जाएं। उनकी अपील का असर हुआ और माहौल शांत हो गया, जिसके बाद उन्होंने अपना भाषण फिर से शुरू किया। यह घटना उन भावनाओं को दर्शाती है, जो तसलीमा नसरीन के निर्वासन के वर्षों के दौरान जॉय गोस्वामी की कथित चुप्पी और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से उनकी नजदीकी को लेकर अब भी बनी हुई हैं। माना जा रहा है कि इन्हीं कारणों से दर्शकों के एक वर्ग में नाराजगी थी। विडंबना यह है कि जॉय गोस्वामी पहले सार्वजनिक रूप से तसलीमा नसरीन के लंबे निर्वासन पर खेद जता चुके हैं, उसके बाद भी उन्हें इस विरोध की सामना करना पड़ा। जॉय गोस्वामी ने कहा था कि तसलीमा नसरीन को 2007 में अपनी रचनाओं के विरोध में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद जब कोलकाता छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा, तब वह उनकी पर्याप्त मदद न कर पाए और इसके लिए वह खुद को *दोषी* मानते हैं। हालांकि, दर्शकों में से कई लोग गोस्वामी को तसलीमा नसरीन के साथ मंच साझा करते हुए देखने के इच्छुक नहीं दिखे। बता दें कि नसरीन की कोलकाता यात्रा को घर वापसी के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। वहीं पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य सचिवालय के एक हॉल में तसलीमा नसरीन को नागरिक अभिनंदन किया था। इसके कुछ घंटों बाद आयोजित इस कार्यक्रम में नसरीन की 19 सालों के बाद कोलकाता की पहली यात्रा का जश्न मनाया गया। अपने संबोधन में नसरीन ने अपनी वापसी को जिंदगी के उस हिस्से में लौटना बताया, जिसे वह पीछे छोड़ आई थीं। उन्होंने कहा कि उनकी घर वापसी इस बात का सबूत है कि अन्याय लंबा तो हो सकता है, लेकिन हमेशा के लिए नहीं रह सकता। उन्होंने उम्मीद जताई कि एक दिन किसी भी लेखक को अभिव्यक्ति की आजादी का इस्तेमाल करने के लिए देश छोड़ने पर मजबूर नहीं होना पड़ेगा। नसरीन नवंबर 2007 में शहर में अपनी मौजूदगी को लेकर हुए हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के बाद कोलकाता से चली गई थीं।

पृष्ठ एक का शेष

बाढ़ प्रभावितों का जायजा ...

आत्मिक माहौल में खारजान चाय बागान में स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। सम्मान एवं स्वागत पाकर मुख्यमंत्री स्थानीय लोगों का आभार व्यक्त किया। इस बीच मुख्यमंत्री ने बताया कि आज गांव में मुश्किल हालात को समझने जाते समय एक स्थानीय युवा के साथ हुई बातचीत ने मुझे काफी प्रभावित किया। लोगों की सामूहिक भलाई के प्रति युवा का आत्मविश्वास और सोच वाकई सराहनीय है। जब लोग कल्याणकारी काम में ऐसे स्वेच्छा से आगे आते हैं, तो सरकार का संकल्प भी अधिक मजबूत होता है। मुख्यमंत्री सरकारी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लगातार बैठक कर बाढ़ प्रभावितों के लिए उठाए जा रहे कदमों की लगातार समीक्षा कर रहे हैं।

बाढ़ प्रभावितों के ...

से भरे जाएंगे। जिन उपभोक्ताओं ने 300 यूनिट से ज्यादा बिजली इस्तेमाल की है, उन्हें लागू नियमों के अनुसार अपना बिजली बिल देना होगा। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि 3 अगस्त से बाढ़ से प्रभावित योग्य परिवारों के बैंक अकाउंट में 15 हजार रुपए ट्रांसफर किए जाएंगे। शिवसागर में लगभग 55 हजार, चराईदेउ में 20 हजार, जोरहाट में 7 हजार और गोलाघाट में 3 हजार लाभार्थियों को यह आर्थिक मदद मिलने की उम्मीद है। छात्रों की स्कूल वापसी में मदद करने के उपायों के तहत, सरकार शिवसागर, चराईदेउ, जोरहाट और गोलाघाट में कक्षा 1 से 8 तक के बाढ़ प्रभावित छात्रों को स्कूल यूनिफॉर्म के दो सेट और मुफ्त नोटबुक देगी। राज्य ने स्कूल यूनिफॉर्म खरीदने के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से 7.62 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। डॉ. शर्मा ने घोषणा की कि शिवसागर और चराईदेउ के निवासियों के लिए मौजूदा फाइनेंशियल ईयर का जमीन का लगान (माटी खजाना) माफ कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जो परिवार अभी भी विस्थापित हैं और घर नहीं लौट पा रहे हैं, उन्हें 10 अगस्त से 10 हजार रुपए अतिरिक्त मिलेंगे। बाढ़ प्रभावित इलाकों में स्कूल 10 अगस्त से फिर खुलने वाले हैं। सरकार 5 और 6 अगस्त के बीच क्षतिग्रस्त संस्थानों की मरम्मत के लिए ग्रांट भी जारी करेगी, जिसमें नुकसान के आधार पर नामघरों के लिए 1.5 लाख रुपए और आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए 2 लाख से 2.5 लाख रुपए तक की राशि शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ की स्थिति में काफी सुधार हुआ है और राज्य की अधिकांश सहायक नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे आ गया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हालात सामान्य होने तक सरकार पुनर्वास के प्रयास जारी रखेगी।

असम बाढ़ : रिलायंस फाउंडेशन...

असम के लोगों के साथ खड़ी रही हैं। डॉ. शर्मा ने कोविड-19 महामारी के दौरान फाउंडेशन की मदद को याद किया, जब उसने राज्य के लोगों को समय पर सहायता प्रदान की थी। कहा कि इस नए योगदान से ऊपरी असम में बाढ़ से प्रभावित परिवारों के लिए राहत और पुनर्वास के प्रयासों को मजबूत करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि आर्थिक सहायता के साथ-साथ, रिलायंस फाउंडेशन की टीमें बाढ़ प्रभावित इलाकों में भोजन, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं, आपातकालीन आश्रय और पशुधन के लिए सहायता प्रदान करने का काम कर रही हैं। डॉ. शर्मा ने कहा कि मैं असम के लोगों के प्रति उनकी संवेदना, दया और समर्थन के लिए नीता अंबानी और रिलायंस फाउंडेशन का दिल से आभार व्यक्त करता हूं।

होटल के नैपकिन पर ...

में पूर्वोत्तर क्षेत्र को नहीं दर्शाया गया था। लवलीना ने तत्काल इस गंभीर त्रुटि की ओर होटल प्रबंधन का ध्यान आकर्षित किया और स्पष्ट किया कि भारत के मानचित्र का इस प्रकार गलत चित्रण स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने होटल प्रबंधन से भविष्य में ऐसी गलती दोबारा नहीं करने का भी आग्रह किया। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर भी चर्चा तेज हो गई है और कई लोगों ने लवलीना की सतर्कता तथा देश की भौगोलिक अखंडता के प्रति उनकी सजगता की सराहना की।

आईआईटी गुवाहाटी की ...

बयान में कहा कि यह उनके समुदाय के लिए एक अपूरणीय क्षति है। आईआईटी गुवाहाटी ने शोक संतप्त परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है और इस कठिन समय में उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया है। आईआईटी गुवाहाटी की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, पुलिस फिलहाल इस घटना की औपचारिक जांच कर रही है ताकि हादसे की सटीक परिस्थितियों और कारणों का पता लगाया जा सके। प्रशासन और पुलिस की टीमें आगे की कार्रवाई में जुटी हुई हैं।

जनगणना 2027: मुख्यमंत्री ...

का चरण पूरा होने के बाद 17 अगस्त से 15 सितंबर तक *हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन्स* (एचएलओ) और हाउसिंग सेंसस (आवास जनगणना) का काम किया जाएगा। हालांकि, मौजूदा हालात को देखते हुए बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित दो जिलों – शिवसागर और चराईदेउ में जनगणना की प्रक्रिया को टाल दिया गया है। सेल्फ-एन्यूमरेशन की यह पहल जनगणना 2027 की तैयारियों का हिस्सा है, जिससे नागरिक फील्ड वेरिफिकेशन (जमीनी स्तर पर जांच) शुरू होने से पहले ही जनगणना प्रक्रिया का शुरुआती चरण ऑनलाइन पूरा कर सकते हैं।

व्यावसायिक कोयला खनन...

लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा कोयले से पूरा होता है, जबकि 70 प्रतिशत से अधिक बिजली उत्पादन भी कोयले पर आधारित है। वर्ष 2014 में उच्चतम न्यायालय द्वारा 204 कोयला ब्लॉकों का आवंटन रद्द किए जाने के बाद पारदर्शी नीलामी व्यवस्था लागू की गई। इसके तहत 18 जून 2020 को आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत व्यावसायिक कोयला खनन की शुरुआत की गई, जिससे निजी कंपनियों को भी खुले बाजार में कोयला बेचने की अनुमति मिली। मंत्रालय ने बताया कि जून 2020 से अब तक 14 चरणों में 141 कोयला खदानों की नीलामी की गई है, जिनकी कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 366.35 मिलियन टन है। इनमें 123 खदानें निजी कंपनियों को मिली हैं तथा 44 सफल बोलीदाता ऐसे हैं, जिन्होंने पहले कभी कोयला खनन नहीं किया था। औसत राजस्व साझेदारी 24.17 प्रतिशत रही, जो निर्धारित न्यूनतम चार प्रतिशत से लगभग छह गुना अधिक है। वर्ष 2025-26 में कैप्टिव और व्यावसायिक खदानों से कुल 210.46 मिलियन टन कोयला उत्पादन हुआ, जो पहली बार 200 मिलियन टन के आंकड़े को पार कर गया। इनमें व्यावसायिक खदानों का योगदान 26.12 मिलियन टन रहा और वर्तमान में 23 व्यावसायिक खदानें उत्पादन में हैं। मंत्रालय के अनुसार, नीलाम की गई सभी व्यावसायिक खदानों के पूर्ण संचालन पर लगभग 48,756 करोड़ रुपए का पूंजी निवेश होगा। साथ ही, प्रीमियम से प्राप्त राजस्व वर्ष 2014-15 के 461 करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 5,553 करोड़ रुपए हो गया है। मंत्रालय ने कहा कि सभी नीलाम खदानों को शीघ्र उत्पादन में लाने के लिए मंजूरी प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। इसके परिणामस्वरूप पूर्ण रूप से अन्वेषित खदानों के संचालन की समयसीमा 51 महीने से घटाकर 40 महीने तथा आंशिक रूप से अन्वेषित खदानों के लिए 66 महीने से घटाकर 52 महीने कर दी गई है।

हैलाकांदी में किशोरी से ...

का फायदा उठाकर इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। इस घटना के सामने आने के बाद, आक्रोशित स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी तथा सख्त सजा की मांग करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग 6 को जाम कर दिया। यह राजमार्ग असम और मिजोरम के बीच एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है। इस नाकेबंदी के कारण सड़क पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया, जिससे सैकड़ों वाहन कई घंटों तक फंसे रहे। स्थिति को संभालने और मामले की जांच शुरू करने के लिए पुलिस की एक बड़ी टीम मौके पर पहुंची। नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, हैलाकांदी पुलिस ने इस मामले के सिलसिले में संदेह के आधार पर पांच लोगों को हिरासत में लिया है। फिलहाल मामले की आगे की जांच की जा रही है।

मणिपुर में नौ उग्रवादी...

सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड-खापलांग और पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेईपाक से जुड़े हैं। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए उग्रवादी कई तरह की आपराधिक गतिविधियों में शामिल थे, जिनमें अपहरण और जबरदस्ती चंदा वसूलना शामिल है। उग्रवादी संगठन रंगदारी के लिए अक्सर चंदा शब्द का इस्तेमाल करते हैं। सुरक्षाकर्मियों ने पकड़े गए उग्रवादियों के पास से कई आपत्तिजनक दस्तावेज, चंदे की रसीदें, कैश, प्रतिबंधित संगठनों की मुहरें और लेटरहेड, बाओफेंग कम्युनिकेशन हैंडसेट और कई अन्य चीजें बरामद की। एक और संयुक्त अभियान में सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह थाने के तहत आने वाले एक जंगल इलाके से हथियार और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया। इस इलाके की सीमा म्यांमार से लगती है और यहां कोई बाड़ नहीं लगी है। बरामद चीजों में एक 9 एमएम की पिस्टल, एक डबल-बैरल बंदूक, छह रेडियो सेट, दो हैंड ग्रेनेड और छह शक्तिशाली इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि बम निरोधक दस्ते ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करते हुए मौके पर ही आईईडी को सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया। इस बीच, पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह ने कानून-व्यवस्था और खुफिया विभाग के प्रभारी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के साथ इंफाल में मणिपुर राइफल्स की ऐतिहासिक पहली बटालियन का दौरा किया। यह राज्य की सबसे पुरानी बटालियनों में से एक है और इसका 134 साल पुराना इतिहास है। दौरे के दौरान डीजीपी को मणिपुर पुलिस के इतिहास के बारे में जानकारी दी गई, जिसमें 1892 में पहली मणिपुर राइफल्स के गठन से लेकर समय के साथ इसके विकास और योगदान के बारे में बताया गया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मणिपुर पुलिस न केवल कानून लागू करने वाली एजेंसी है, बल्कि राज्य के इतिहास, विकास और संस्थागत सुधारों का भी एक अहम हिस्सा है। डीजीपी ने ब्रिटिश-युग की हेरिटेज बटालियन की कई अहम सुविधाओं का निरीक्षण किया, जिनमें क्वार्टर गार्ड, मणिपुर पुलिस ऑफिसर्स क्लब, बैंक्वट हॉल, ट्रांसपोर्ट विंग, परेड ग्राउंड, चर्च, मंदिर, कैंटीन और पेट्रोल पंप शामिल हैं। उन्होंने बटालियन के अधिकारियों और कर्मचारियों से भी बातचीत की। इस दौरान यूनिट को बेहतर बनाने, तैनाती के नियमों का पालन करने, नियमित निरीक्षण और नियमों के पालन से जुड़े तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। बटालियन के लगातार विकास और आज की पुलिसिंग की जरूरतों के हिसाब से प्रोजेक्ट्स को लागू करने के लिए जरूरी सुझाव और राय साझा की गई। इस बीच, सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स और मणिपुर पुलिस की सुरक्षा बलों ने राज्यभर के बाहरी इलाकों, मिली-जुली आबादी वाले और संवेदनशील इलाकों में बड़े पैमाने पर उग्रवाद-विरोधी अभियान जारी रखे हैं, जिनमें सर्च ऑपरेशन और इलाके पर नियंत्रण की कवायद शामिल है। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के तहत, उग्रवादियों, असामाजिक तत्वों और संदिग्ध गाड़ियों की आवाजाही रोकने के लिए घाटी और पहाड़ी जिलों में कुल 111 नाके और चेकपॉइंट बनाए गए हैं।

नाबालिग ने सात गाड़ियों ...

बुरी तरह से घायल हो गया। इसके बाद नाबालिग ने कार उसके ऊपर चढ़ा दी, जिससे वह उसके नीचे फंस गया। फुटेज में आस-पास के लोग मौके पर दौड़ते हुए और घायल आदमी को बचाने के लिए गाड़ी उठाते हुए भी दिखे। घायलों की पहचान राजकुमार (60) और प्रभाकर (55) के रूप में हुई है। दोनों चर्च जा रहे थे। दोनों को गंभीर चोटें आईं हैं और उन्हें इलाज के लिए अलग-अलग प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। वहीं हादसे के बाद नाबालिग ने मौके से भागने की कोशिश भी की। हालांकि, स्थानीय लोगों ने उसे पीछा कर पकड़ लिया। स्थानीय लोगों ने नाबालिग के साथ मारपीट भी की। पुलिस के अनुसार, नाबालिग ने सफाई के काम के बाद गाड़ी के अंदर चाबी मिलने पर कार ली और उस लेकर निकल गया। मधुरानगर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

करियर और परिवार को ...

राष्ट्र की शक्ति कमजोर पड़ जाती है। दुश्मन देश भी षड्यंत्र करके देश के युवाओं को नशे की लत में खींचने की कोशिश करते रहते हैं। ऐसे में ड्रग सप्लाई कर कमाई कर देश को तबाह करना भी आतंकी साजिश का हिस्सा होता है। इसलिए हमें हर एक युवा को नशे के चुंगल में फंसने से बचाना है। सामूहिकता की ताकत पर बल देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि व्यक्तिगत प्रयास करते समय निराशा और थकान हो सकती है लेकिन जब कोई अभियान सामूहिक स्वरूप ले लेता है और करोड़ों लोग मिलकर आगे बढ़ते हैं, तो सामूहिकता की ताकत उसे नई ऊर्जा देती है। प्रधानमंत्री ने बताया कि देशभर के लाखों युवाओं ने नशा मुक्ति की शपथ ली है। उन्होंने बताया कि यह संकल्प अगले 100 सप्ताह तक लगातार आगे बढ़ेगा। इस दौरान प्रत्येक रविवार कला, संस्कृति, खेल, ध्यान, अध्यात्म और सेवा से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले 100 रविवार नशा मुक्त भारत की दिशा में 100 मजबूत कदम साबित होंगे। प्रधानमंत्री ने नशा मुक्ति में योग, ध्यान और पुनर्वास के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से यह विधाएं व्यक्ति के अंतर्मन को मजबूत बनाती हैं। उन्होंने कहा कि आज नशा छोड़ने के लिए पुनर्वास केंद्र जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई युवा गलती से नशे की गिरफ्त में आ गया है तो इसका अर्थ यह नहीं है कि उसके सभी रास्ते बंद हो गए हैं। उचित सहयोग और उपचार से वह सामान्य जीवन में लौट सकता है। प्रधानमंत्री ने परिवारों से अपील की कि यदि घर का कोई बच्चा नशे का शिकार हो जाए तो सामाजिक प्रतिष्ठा के कारण इसे छिपाया न जाए। बच्चों के साथ संवाद की संस्कृति विकसित करना जरूरी है, ताकि समय रहते उनके व्यवहार में आने वाले बदलावों को पहचाना जा सके। प्रधानमंत्री ने प्रोफेसरों और शिक्षकों से आग्रह किया कि वे केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहें बल्कि विद्यार्थियों के साथ ड्रग्स के दुष्प्रभावों पर भी नियमित चर्चा करें। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थान युवाओं को नशे से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ड्रग्स के खिलाफ अभियान में सरकार पूरी मजबूती से युवाओं के साथ खड़ी है। उन्होंने बताया कि नशे के कारोबारियों और तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। पहले की तुलना में कई गुना अधिक गिरफ्तारियां हुई हैं और हजारों करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त की गई हैं। यह सरकार की कठोर नीति को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि केंद्र और राज्य सरकारें इस अभियान को मिशन मोड में आगे बढ़ाएंगी। उन्होंने कहा कि देश का युवा नशे से मुक्त रहकर अपनी ऊर्जा को सुरक्षित रखने के साथ विकसित भारत के संकल्प को भी मजबूत करेगा। उन्होंने सभी सामाजिक और आध्यात्मिक संस्थाओं तथा गुरुजनों से अपील की कि जिनके संगठन देशभर में सक्रिय हैं और जिनसे बड़ी संख्या में युवा जुड़े हैं, वे आने वाले 100 सप्ताह में प्रत्येक संगठन कम से कम एक सप्ताह की जिम्मेदारी लेकर नशा मुक्ति अभियान को जन-आंदोलन बनाने में योगदान दे।

प्रणब दोले पर एनएसए...

किया जा सकता। इसके बावजूद 30 जुलाई को असम सरकार ने एनएसए लगाकर उन्हें हिरासत में ले लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि दोले को इसलिए निशाना बनाया गया, क्योंकि उन्होंने ग्रामीणों का समर्थन किया था, जो काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के पास प्रस्तावित पांच सितारा रिसॉर्ट का विरोध कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने 2022 से इस परियोजना के खिलाफ आंदोलन किया है और यहां तक कि गुवाहाटी हाई कोर्ट में याचिका भी दायर की है। रमेश ने कहा कि एनएसए आदेश में अस्पष्ट आरोप लगाए गए हैं, जैसे टसंदिग्ध विदेशी लेन-देन, जो उनके अनुसार केंद्र सरकार का परिचित तरीका है। भाजपा सरकारें मजदूरों, आदिवासियों और हाशिए पर खड़े समुदायों की वैध शिकायतों को गिरफ्तारियों और कठोर कानूनों के जरिए दबा नहीं सकतीं।

राहुल गांधी ने खुद ...

रहना ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। राहुल गांधी ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा कि अभी भी एक विद्यार्थी हूं, हर दिन कुछ नया सीख रहा हूं। आज का सबक आज मित्रता दिवस है। सभी को फ्रेंडशिप डे की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। ढेर सारा प्यार। आपको बता दें कि नीट पेपर लीक मामले को लेकर राहुल गांधी और पूरा विपक्ष लगातार सरकार पर सवाल उठा रहा है। इससे पहले भी राहुल गांधी ने कई छात्रों और युवाओं से मुलाकात करके उनकी समस्याएं सुनी थीं। इससे पहले राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर हमला बोला था। उन्होंने आरोप लगाया था कि ये दोनों देश के युवाओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि ये नेता भारत का बीता हुआ कल हैं और उन्हें सोचना चाहिए कि वे देश के आने वाले भविष्य के साथ कैसा बर्ताव कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने देश भर में कई युवाओं के सोशल मीडिया अकाउंट बंद कराए जाने के लिए भी सरकार को जिम्मेदार ठहराया। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस, राजद और समाजवादी पार्टी जैसी बाकी विपक्षी पार्टियों ने भी अलग-अलग राज्यों में छात्रों पर दर्ज मुकदमों का कड़ा विरोध किया।

स्वात में पुलिस स्टेशन ...

इलाके की घेराबंदी कर दी और जांच शुरू कर दी। यह धमाका पुलिस स्टेशन के पास तब हुआ जब सैकड़ों लोग स्वात घाटी में हाल ही में बढ़े आतंकवाद के विरोध में पास के काबल चौक पर प्रदर्शन कर रहे थे। घायलों को इलाज के लिए सैदु शरीफ टीचिंग हॉस्पिटल ले जाया गया। धमाके से प्रदर्शनकारियों में अफरातफरी मच गई और किसी भी गुट ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

प्रदेश भाजपा की पहल पर बाढ़ प्रभावितों की मदद में जुटे कार्यकर्ता

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण संबंधी कदमों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि सरकार हर प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। इस संबंध में प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता ब्रजेन महंत ने एक बयान जारी कर मुख्यमंत्री की घोषणाओं को जनहित में ऐतिहासिक कदम बताया। साथ ही कहा कि भाजपा कार्यकर्ता बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। बयान के अनुसार, बाढ़ प्रभावित परिवारों को पूर्व घोषित 15 हजार रुपए की एकमुश्त सहायता 3 से 5 अगस्त के बीच सीधे बैंक खातों में भेजी जाएगी। इससे शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट और

गोलाघाट जिलों के लगभग 85 हजार परिवार लाभान्वित होंगे। जो परिवार अब तक अपने घर नहीं लौट सके हैं, उन्हें 10 अगस्त को अतिरिक्त 10 हजार रुपए की सहायता भी दी जाएगी। शिक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को दो-दो स्कूल यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने हेतु मुख्यमंत्री राहत कोष से समग्र शिक्षा अभियान को लगभग 8 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। इसके अलावा शिवसागर और चराईदेव जिले के 300 यूनिट तक मासिक बिजली उपभोग करने वाले घरेलू उपभोक्ताओं का जुलाई माह का बिजली बिल माफ किया गया है। दोनों जिलों के बाढ़ प्रभावित लोगों को चालू वित्तीय वर्ष के लिए भूमि राजस्व (खजाना) से भी पूर्ण छूट दी गई है। सरकार ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त विद्यालयों को दो-दो लाख रुपये, नामघरों को डेढ़ लाख रुपए तथा आंगनवाड़ी केंद्रों को दो से ढाई लाख रुपए तक की सहायता देने का निर्णय लिया है। वहीं, 46 बीमा कंपनियों के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में बाढ़ पीड़ितों के बीमा दावों का शीघ्र निपटारा, विशेष हेल्पलाइन, नोडल अधिकारी की नियुक्ति और न्यूनतम दस्तावेजों के आधार पर दावों के निस्तारण जैसे कई फैसले लिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्थायी क्षति का सर्वेक्षण 7 अगस्त से शुरू होगा। वहीं, बाढ़ की स्थिति को देखते हुए शिवसागर और चराईदेव जिलों के लिए निर्धारित लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के सहायक अभियंता पद की परीक्षा फिलहाल स्थगित कर दी गई है। प्रदेश भाजपा ने मुख्यमंत्री के इन निर्णयों का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार राहत, पुनर्वास, शिक्षा, बिजली, राजस्व और बीमा समेत सभी क्षेत्रों में समन्वित प्रयास कर रही है। बयान में बताया गया कि अरुणोदय योजना की लाभार्थी महिलाओं को बाढ़ प्रभावित तीन जिलों में 1,250 रुपए के स्थान पर 2,500 रुपए की सहायता दी गई है। साथ ही, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया के निर्देश पर भाजपा के हजारों कार्यकर्ता बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं सहायता कार्यों में सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

न्यू बंगाईगांव जंक्शन पर चलती ट्रेन से गिरकर यात्री की मौत

बंगाईगांव (हिंस)। असम के बंगाईगांव जिलांतर्गत न्यू बंगाईगांव जंक्शन पर चलती ट्रेन से गिरने के बाद एक यात्री की रविवार को मौत हो गई। इस घटना ने व्यस्त रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। मृतक की पहचान पुरंजय कछारी के तौर पर हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, यह घटना रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर तब हुई जब कछारी ट्रेन से उतरने की कोशिश कर रहे थे। बताया जा रहा है कि उनका पैर फिसल गया और वे पटरी पर गिर गए। हादसा इतना गंभीर था कि पीड़ित के दोनों पैर कट गए। उन्हें गंभीर चोटें आईं और उन्हें तुरंत इमरजेंसी इलाज के लिए पास के एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, लोअर असम हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने अस्पताल पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत जीतने पर मुख्यमंत्री शर्मा ने लवलीना बरगोहाईं को दी बधाई

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में रजत पदक जीतने पर राज्य की स्टार मुक्केबाज लवलीना बरगोहाईं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने उनकी इस उपलब्धि को असम और पूरे देश के लिए गर्व का क्षण बताया। मुख्यमंत्री ने रविवार को सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में कहा कि लवलीना बरगोहाईं ने एक बार फिर अपने शानदार प्रदर्शन से असम और भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, समर्पण और दृढ़ संकल्प के बल पर हासिल की गई यह सफलता राज्य के युवाओं, विशेषकर उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक है। डॉ. शर्मा ने कहा कि लवलीना की उपलब्धि यह संदेश देती है कि निरंतर मेहनत और लगन से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि लवलीना भविष्य में भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारत और असम का नाम और अधिक रोशन करेंगी। मुख्यमंत्री ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि असम के अधिक से अधिक खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल कर सकें।

बाढ़ प्रभावितों के लिए रंगापारा सोशल वॉलंटिर ने भेजी राहत सामग्री

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिला के रंगापारा की सामाजिक संस्था सोशल वॉलंटियर के तत्वावधान में रविवार की सुबह बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राहत सामग्री रवाना की गई। इस अभियान में रंगापारा एवं मिसामारी के पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय, ग्रीनडेल स्कूल, रामकृष्ण मिशन तथा रंगापारा के स्थानीय नागरिकों ने सहयोग प्रदान किया। संस्था द्वारा 24 प्रकार की राहत सामग्री से युक्त लगभग 250 पैकेट तैयार किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत प्रति पैकेट 1,350 रुपए है। इन राहत सामग्रियों को वाहन के माध्यम से बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित शिवसागर जिले के नाजिरा स्थित नेपाली खूंटी इलाके में बाढ़ प्रभावितों के बीच वितरण के लिए भेजा गया। सोशल वॉलंटियर संस्था के अध्यक्ष राहुल साहा और सचिव शुभांकर दे ने बताया कि इस राहत अभियान का उद्देश्य बाढ़ पीड़ित परिवारों तक आवश्यक सामग्री पहुंचाना है। इस दौरान संस्था के सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और राहत कार्य को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग दिया।

धेमाजी और शिवसार जिले में नदियां फिर उफान पर

गुवाहाटी (हिंस)। असम में बाढ़ का पानी तेजी से जहां उतर रहा है, वहीं, धेमाजी और शिवसागर जिले में नदियों का जलस्तर एक बार फिर से खतरे के निशान से ऊपर दर्ज किया गया है। शिवसागर जिले में विनाशलीला चारों ओर दिखाई दे रही है। बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित ऊपरी असम के चार जिलों शिवसागर, चराईदेव, जोरहाट और गोलाघाट में जिंदगी अभी भी पटरी पर लौटती दिखाई नहीं दे रही है। सबसे बुरा हाल शिवसागर जिले का है। प्रभावितों को राहत पहुंचाने के लिए सरकारी एवं निजी स्तर पर कार्य चल रहा है। बावजूद लोग अपने घरों में जा नहीं पा रहे हैं। बाढ़ ने सब कुछ उनका तबाह कर दिया है। राज्य सरकार के सभी विभाग अपने-अपने स्तर पर प्रभावितों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। कृषि विभाग किसानों को वैकल्पिक खेती के लिए आवश्यक संसाधन मुहैया कराने की योजना बना रहा है। कारण वर्तमान समय में अब धान की खेती करना संभव

नहीं है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पहली अगस्त को जारी आंकड़ों के अनुसार दिखौ नदी (शिवसागर) एवं धनसिरि नदी (नुमलीगढ़) इलाके में खतरे के निशान से अभी भी ऊपर बह रही है। हालांकि, शनिवार को कहीं से भी किसी के मृत होने की कोई सूचना नहीं मिली। राज्य में मृतकों की कुल संख्या 82 है। बाढ़ से वर्तमान समय में अभी भी कुलसात जिले बुरी तरह से प्रभावित हैं, जबकि, शुक्रवार को प्रभावित जिलों की संख्या पांच थी। बाढ़ प्रभावित जिलों में गोलाघाट, शिवसागर, चराईदेव, बजाली, धेमाजी, शोणितपुर और जोरहाट हैं। बाढ़ से सात जिलों के 20 राजस्व मंडलों के कुल 349 गांव प्रभावित हैं। राज्य की कुल 178837 आबादी अभी भी प्रभावित हैं एवं 15060 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। राज्य सरकार ने बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए अभी भी कुल 44 राहत शिविर एवं 17 राहत वितरण केंद्र समेत कुल 61 शिविर क्रियान्वित रखे हैं। राहत शिविरों में 11489 लोग आश्रय लिए हुए हैं। जबकि राहत वितरण केंद्रों पर 5569 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं। राहत एवं बचाय अभियान में एसडीआरएफ, सेना/अर्धसैनिक बल, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ, एयर फोर्स, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ एंड ईएस), सर्कल कार्यालय/स्थानीय प्रशासन, नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक और अग्निशमन विभाग जुटा हुआ है। प्रभावित इलाकों में शनिवार को राज्य सरकार ने कुल 79 मेडिकल टीमों को तैनात किया। इस दौरान तीन नावें भी राहत कार्य में जुटी रहीं। बाढ़ से बड़े पैमाने पर सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत ढांचे को नुकसान पहुंचा है।

बाढ़ प्रभावित किसानों के पुनर्वास का जायजा लेने चराइदेव पहुंचे कृषि मंत्री पीयूष हजारिका

गुवाहाटी (हिंस)। असम के कृषि, सिंचाई एवं संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका ने रविवार को चराईदेव जिले का दौरा कर बाढ़ के बाद कृषि पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की और प्रभावित किसानों से मुलाकात की। दौरे के दौरान मंत्री ने महमोरा में सामुदायिक धान नर्सरी का शुभारंभ किया, बाढ़ प्रभावित किसानों को धान की पौध वितरित की तथा नाजिरा और महमोरा के किसानों के लिए धान की पौध लेकर जा रहे वाहनों को रवाना किया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित गांवों और सोनारी के राहत शिविर का भी दौरा कर प्रभावित परिवारों को हरसंभव सरकारी सहायता का आश्वासन दिया। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित किसानों के पुनर्वास और मौजूदा खेती के मौसम में कृषि गतिविधियों को शीघ्र सामान्य बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण धान की पौध और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

कॉमनवेल्थ 2026 में रजत पदक जीतने पर लवलीना को प्रदेश भाजपा ने दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में बॉक्सिंग के 75 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए लवलीना बोरगोहाईं ने रजत पदक जीतकर असम और भारत का गौरव बढ़ाया है। इससे पहले ओलंपिक और एशियाई खेलों में भी लवलीना पदक जीतने में सक्षम रही थीं। विश्व के अग्रणी इन तीनों खेल प्रतियोगिताओं में पदक जीतने के लिए प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने लवलीना को शुभकामनाएं दी हैं। उल्लेखनीय है कि, इससे पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में असम के खिलाड़ी जयंत तालुकदार ने 2010 में आर्चरी में कांस्य और नयनमणि सैकिया ने 2022 में लॉन बॉल में स्वर्ण पदक जीतने में सफलता प्राप्त की थी। भाजपा के प्रदेश स्तरीय मीडिया पैनलिस्ट अमल नारायण पटवारी ने एक बयान में लवलीन को बधाई दी है और ग्लासगो ऑलंपिक में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले असम की लॉन बाल खिलाड़ियों नयनमणि सैकिया, पुतुल सोनोवाल और लिजा दास को भी शुभकामनाएं दी हैं। लिजा दास भले ही प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद पदक जीतने से रह गईं, नयनमणि सैकिया और पुतुल सोनोवाल ने अपनी जीत की धारा को जारी रखा है। बयान में आशा जताई गई है कि अच्छा प्रदर्शन न सिर्फ असम को बल्कि पूरे भारतवासी को गर्व देगा।

चाबुआ में कटाव रोकने के लिए 90 करोड़ रुपए की योजना तैयार : मुख्यमंत्री

डिब्रूगढ़ (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि चाबुआ विधानसभा क्षेत्र में नदी कटाव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए राज्य सरकार ने 90 करोड़ की योजना तैयार की है। इस योजना पर जल्द ही कार्य शुरू किया जाएगा। कटाव प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस समस्या के समाधान के लिए शीघ्र आवश्यक कदम उठाएगी, ताकि प्रभावित लोगों को राहत मिल सके। बाढ़ का उल्लेख करते हुए कहा कि शिवसागर और चराईदेव जिले सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं, जहां बाढ़ से व्यापक नुकसान हुआ है। उन्होंने यह भी बताया कि बाढ़ प्रभावित चार जिलों में जल्द ही नुकसान का विस्तृत सर्वेक्षण शुरू किया जाएगा। सर्वेक्षण के आधार पर राहत, पुनर्वास और मुआवजे की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ये बातें चाबुआ के कटाव प्रभावित क्षेत्रों के दौरे और ऊपरी असम में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहीं।

विकसित भारत के विजन को साकार करने के लिए गवर्नर ने नशा-मुक्त और मूल्यों पर आधारित युवा पीढ़ी का आह्वान किया

गुवाहाटी। असम के गवर्नर श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज वाराणसी में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए *नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत* अभियान के राष्ट्रव्यापी शुभारंभ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम 100-सप्ताह के राष्ट्रव्यापी जन-आंदोलन की शुरुआत के लिए आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को खत्म करना और युवाओं को 2047 तक *विकसित भारत* के निर्माण में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर बोलते हुए, गवर्नर श्री आचार्य ने इस अभियान को स्वस्थ, अनुशासित, मूल्यों पर आधारित और देशभक्त युवाओं की ऐसी पीढ़ी तैयार करने का राष्ट्रीय मिशन बताया, जो भारत को *विकसित भारत* के लक्ष्य की ओर ले जाने में सक्षम हो। 100-सप्ताह के अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह निरंतर राष्ट्रव्यापी प्रयास दीर्घकालिक जागरूकता पैदा करने, व्यवहार में बदलाव को प्रोत्साहित करने और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ाई में सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि नशा-मुक्त समाज एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी है और इस बात पर जोर दिया कि देश की जनसांख्यिकीय ताकत का पूरी तरह से लाभ तभी उठाया जा सकता है जब उसके युवा नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से मुक्त हों और मजबूत नैतिक मूल्यों से प्रेरित हों। सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, गवर्नर श्री आचार्य ने परिवारों, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक संगठनों और सामुदायिक समूहों को शामिल करते हुए जन-भागीदारी को एक राष्ट्रव्यापी

जन-आंदोलन में बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया। असम के अनुभव को साझा करते हुए, उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के कई हिस्सों में नशीले पदार्थों के दुरुपयोग की समस्या से निपटने में सामाजिक जागरूकता, सामुदायिक भागीदारी और मूल्यों पर आधारित मार्गदर्शन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विश्वविद्यालयों के चांसलर के रूप में गवर्नर के निर्देशों के तहत, असम भर के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों ने *नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत* पर प्रधानमंत्री के संबोधन की लाइव स्ट्रीमिंग देखी। छात्रों, शिक्षकों और शैक्षणिक समुदाय के अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया और 100-सप्ताह के राष्ट्रीय अभियान तथा नशा-मुक्त, स्वस्थ और जिम्मेदार समाज के निर्माण के व्यापक मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* की भावना का जिक्र करते हुए, श्री आचार्य ने कहा कि भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक एकता तब मजबूत होती है जब यहां के युवा मूल्यों से जुड़े रहते हैं और देश की सेवा के लिए समर्पित होते हैं। उन्होंने युवाओं से यह भी आग्रह किया कि वे जागरूकता, सकारात्मकता और नशा-मुक्त समाज का संदेश फैलाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करें। राज्यपाल ने वाराणसी में इस कार्यक्रम के आयोजक *गायत्री परिवार* द्वारा चरित्र-निर्माण और मूल्यों पर आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए की जा रही लगातार कोशिशों की सराहना की। उन्होंने भरोसा जताया कि *नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत* का 100 हफ्ते का अभियान लोगों की सक्रिय भागीदारी से एक जबर्दस्त राष्ट्रीय आंदोलन बनेगा और *विकसित और आत्मनिर्भर भारत* के विजन में सार्थक योगदान देगा।

अवकाश प्राप्त शिक्षक प्रदीप सैकिया के निधन से शोक

विश्वनाथ (विभास)। सतिया बुढ़ाचूक निवासी अवकाश प्राप्त शिक्षक प्रदीप सैकिया (72) निधन से पूरे अंचल में शोक की लहर दौड़ गई। मिली जानकारी के अनुसार सैकिया पिछले कई दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे और कल उन्होंने गुवाहाटी में चिकित्सा के समय अंतिम सांस ली सैकिया अंचल में एक बहुत ही सरल स्वभाव वाले शिक्षक के तौर पर जाने जाते थे वो अपने पीछे पत्नी एक बेटा बहू समेत परिवार वर्ग को छोड़ गए है।

नगांव जिले के लोगों से स्व-गणना के माध्यम से जनगणना में सहयोग करने की अपील

नगांव (निसं)। देश के अन्य हिस्सों की तरह नगांव जिले में भी जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य आज से शुरू हो गया। इस अवसर पर जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा ने जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि 2 अगस्त से 16 अगस्त तक नागरिक स्व-गणना कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि नागरिक जनगणना की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपने मोबाइल फोन या लैपटॉप के माध्यम से ऑनलाइन स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। प्रत्येक परिवार को कुल 36 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। जिला आयुक्त ने स्मार्टफोन उपयोग करने वाले सभी लोगों से स्व-गणना करने की अपील करते हुए कहा कि इससे नागरिकों के साथ-साथ गणनाकर्मियों का भी काफी समय बचेगा। उन्होंने कहा कि इस बार की जनगणना देश की आठवीं जनगणना और पहली डिजिटल जनगणना होगी। जिन लोगों के लिए संभव हो, वे स्वयं अपनी जानकारी दर्ज करें, जिससे जनगणना का कार्य अधिक तेजी और सुगमता से पूरा किया जा सके। देवाशीष शर्मा ने कहा कि जनगणना के आंकड़े देश के आर्थिक विकास, नीतियों के निर्धारण और योजनाओं के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से सही और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने का आग्रह किया तथा स्पष्ट किया कि इससे किसी प्रकार की व्यक्तिगत हानि नहीं होगी और न ही किसी की गोपनीयता भंग होगी। उन्होंने बताया कि एक मोबाइल नंबर से केवल एक परिवार की ही स्व-गणना की जा सकेगी। संवाददाता सम्मेलन में यह भी प्रदर्शित किया गया कि कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल फोन या कंप्यूटर के माध्यम से किस प्रकार आसानी से स्व-गणना कर सकता है। स्व-गणना पूरी होने के बाद प्राप्त एसई (स्व) नंबर को सुरक्षित रखना होगा और बाद में घर आने वाले गणनाकर्मी को दिखाकर उसकी पुष्टि करनी होगी। जिला आयुक्त ने यह भी जानकारी दी कि जो लोग स्वयं स्व-गणना नहीं कर पाएंगे, उन्हें चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। 17 अगस्त से 15 सितंबर तक गणनाकर्मी घर-घर जाकर जनगणना का कार्य करेंगे। उन्होंने नगांव जिले के सभी निवासियों से जनगणना प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग करने तथा सही एवं सटीक जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की। संवाददाता सम्मेलन में जिला विकास आयुक्त देवयानी चौधरी, जिला आयुक्त कार्यालय के सभी अतिरिक्त आयुक्त, सहायक आयुक्त, सह-जिला आयुक्त, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सीआईटी कोकराझाड़ के एसटीआईएचबी में ब्लॉकचेन तकनीक पर चार दिवसीय कार्यशाला का सफल समापन

कोकराझाड़ (विभास)। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के तत्वावधान में सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोकराझाड़ के साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन हब द्वारा ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी पर आयोजित चार दिवसीय व्यावहारिक (हैंड्स-ऑन) कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों को ब्लॉकचेन तकनीक का सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। प्रतिभागियों ने ब्लॉकचेन की बुनियादी बातों, डिस्ट्रिब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी, क्रिप्टोग्राफिक हैशिंग, कंसेंसस मैकेनिज्म, स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट्स, एथेरियम, सॉलिडिटी प्रोग्रामिंग, विकेंद्रीकृत एप्लिकेशन, वॉलेट निर्माण, डिजिटल लेनदेन

और ब्लॉकचेन परिनियोजन (डिप्लॉयमेंट) के बारे में विस्तार से सीखा। व्यावहारिक सत्र के दौरान छात्रों ने छोटे ब्लॉकचेन-आधारित एप्लिकेशन भी विकसित किए, जिससे उन्हें मूल्यवान व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। कार्यशाला के समापन सत्र में सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट) प्रदान किए गए। इस अवसर पर बोलते हुए, सीआईटी कोकराझाड़ के एसटीआईएचबी के प्रधान अन्वेषक (प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर) डॉ. प्रणव कुमार सिंह ने कहा कि ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षित, पारदर्शी और विकेंद्रीकृत डिजिटल प्रणालियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। छात्रों को भविष्य के अवसरों के लिए तैयार होने हेतु उभरती हुई तकनीकों का पता लगाना जारी रखना चाहिए और अपने व्यावहारिक कौशल को मजबूत करना चाहिए। कार्यशाला में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे यह सहयोगात्मक सीखने, नवाचार और कौशल विकास के लिए एक इंटरैक्टिव मंच साबित हुआ। सीआईटी कोकराझाड़ के एसटीआईएचबी ने जापान की स्क्युरिड इंक के रिसर्च इंजीनियर श्री रोशन सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने अपने उद्योग के अनुभव के माध्यम से छात्रों को अंतर्दृष्टिपूर्ण तकनीकी सत्र प्रदान किए और प्रेरित किया। संस्थान ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में समर्पित प्रयासों के लिए पूरी एसटीआईएचबी टीम को भी धन्यवाद दिया। एसटीआईएचबी, सीआईटी कोकराझाड़ ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ब्लॉकचेन, साइबर सुरक्षा और डेटा साइंस जैसे उभरते क्षेत्रों में ऐसे क्षमता-निर्माण कार्यक्रमों को जारी रखने की बात कही है। यह संस्थान डीएसटी समर्थित एसटीआईएचबी पहल के तहत प्रौद्योगिकी-संचालित शिक्षण, नवाचार और रोजगार क्षमता को बढ़ावा देने के अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है।

संपादकीय

नशा-मुक्त युवा से ही संभव है विकसित भारत का सपना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अकसर यह साबित करते हैं कि देश में उनकी भूमिका एक अभिभावक की भाँति है। राजनीतिक नफा-नुकसान से इतर वे उन मुद्दों पर भी चिंतन करते हैं, जो समाज से जुड़े हुए हैं। वर्तमान समय में युवाओं के सामने नशा एक गंभीर चुनौती बन गया है। बड़ी पैमाने पर युवाओं को नशे का शिकार बनाया जा रहा है। अपनी युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने पहलकदमी करते हुए 'नशा मुक्त युवा के लिए विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत की है। याद रखें कि एक सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत की नींव देश की स्वस्थ, ऊर्जावान और आत्मनिर्भर युवा पीढ़ी पर टिकी होती है। इस दिशा में इस अभियान की शुरुआत अत्यंत सामयिक और दूरदर्शी कदम है। अगले सौ सप्ताह तक चलने वाला यह राष्ट्रव्यापी जन-आंदोलन केवल एक प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि मादक द्रव्यों के सेवन जैसी गंभीर सामाजिक बुराई के खिलाफ चेतना जगाने का एक महायज्ञ है। काशी में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुई इस पहल का अब करोड़ों देशवासियों और विभिन्न आध्यात्मिक संगठनों के सहयोग से देशव्यापी विस्तार होना यह दर्शाता है कि नशा-मुक्ति का यह प्रयास केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित न रहकर एक व्यापक सामाजिक आंदोलन का रूप ले रहा है। नशे की समस्या से निपटने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, और इस अभियान में यही संतुलन देखने को मिलता है। एक तरफ जहां सरकार नशे के कारोबारियों और तस्करों पर सख्त कानूनी कार्रवाई कर रही है, वहीं दूसरी तरफ पीड़ित युवाओं के प्रति सहानुभूति और पुनर्वास की बात कही गई है। रिकॉर्ड मात्रा में ड्रग्स की जब्ती और गिरफ्तारियां यह स्पष्ट करती हैं कि नार्को-नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। लेकिन कानून की सख्ती के साथ-साथ सामाजिक स्तर पर संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है। यदि कोई युवा गलती से नशे के भंवर में फंस जाता है, तो उसे अपराधी मानने के बजाय एक मरीज की तरह इलाज और सहयोग दिया जाना चाहिए। इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका परिवार और समाज की है। अक्सर देखा जाता है कि लोग सामाजिक प्रतिष्ठा और बदनामी के डर से अपने बच्चों की इस लत को छिपाने का प्रयास करते हैं, जिससे स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। समय की मांग है कि परिवारों में बच्चों के साथ खुलकर संवाद करने की संस्कृति विकसित की जाए। जब तक माता-पिता अपने बच्चों के साथ ऐसा संवाद कायम नहीं करेंगे, तब तक समस्या की गहराई को समय रहते नहीं समझा जा सकता। नशे के शिकार युवाओं को छुपाने के बजाय मेडिकल मदद और काउंसलिंग के जरिए सामान्य जीवन में वापस लाना ही सच्ची संवेदनशीलता है। ड्रग्स की समस्या केवल स्वास्थ्य या समाज तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ी हुई है। हमारे पड़ोसी और विरोधी देश भारत की अपार युवा शक्ति को कमजोर करने और देश को अस्थिर करने के लिए 'नारको-टेररिज्म' का सहारा लेते हैं। नशीले पदार्थों की आपूर्ति से होने वाली कमाई का इस्तेमाल देश-विरोधी और आतंकी गतिविधियों में किया जाता है। ऐसे में युवाओं को यह समझना होगा कि क्षणिक आनंद की यह लत न केवल उनके करियर, स्वास्थ्य और परिवार को बर्बाद करती है, बल्कि अनजाने में देश के दुश्मनों के एजेंडे को भी बढ़ावा देती है। सौ हफ्तों का यह संकल्प तभी पूरी तरह साकार हो सकेगा जब देश का प्रत्येक नागरिक, शैक्षणिक संस्थान और सामाजिक संगठन इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएंगे। शैक्षणिक संस्थानों में निरंतर जागरूकता, निचले स्तर तक सुलभ पुनर्वास सुविधाएं और परिवारों में विश्वास का माहौल इस अभियान को धरातल पर सफल बनाएगा।

राजनीतिक नफा-नुकसान से इतर वे उन मुद्दों पर भी चिंतन करते हैं, जो समाज से जुड़े हुए हैं। वर्तमान समय में युवाओं के सामने नशा एक गंभीर चुनौती बन गया है। बड़ी पैमाने पर युवाओं को नशे का शिकार बनाया जा रहा है। अपनी युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने पहलकदमी करते हुए 'नशा मुक्त युवा के लिए विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत की है। याद रखें कि एक सशक्त, समृद्ध और विकसित भारत की नींव देश की स्वस्थ, ऊर्जावान और आत्मनिर्भर युवा पीढ़ी पर टिकी होती है। इस दिशा में इस अभियान की शुरुआत अत्यंत सामयिक और दूरदर्शी कदम है। अगले सौ सप्ताह तक चलने वाला यह राष्ट्रव्यापी जन-आंदोलन केवल एक प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि मादक द्रव्यों के सेवन जैसी गंभीर सामाजिक बुराई के खिलाफ चेतना जगाने का एक महायज्ञ है। काशी में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुई इस पहल का अब करोड़ों देशवासियों और विभिन्न आध्यात्मिक संगठनों के सहयोग से देशव्यापी विस्तार होना यह दर्शाता है कि नशा-मुक्ति का यह प्रयास केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित न रहकर एक व्यापक सामाजिक आंदोलन का रूप ले रहा है।

सावन सिर्फ बारिश का मौसम नहीं है, बल्कि जीवन के सभी रूपों का उत्सव है

हर किसी का अपना सावन है

भारत मानसून के आगमन के साथ मौसम में बदलाव का स्वागत करता है, और इससे भी कहीं अधिक। यह एक ऐसे मौसम की शुरुआत है जो फलों की भरपूर फसल, ताजगी और नए जीवन को जन्म देता है, साथ ही मानव हृदयों में नई आशा और सदियों से समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करता है। महीनों की भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बाद बारिश होती है; यह केवल प्यासी धरती के लिए ही पानी नहीं है, बल्कि जागृत सपनों के लिए, थकी हुई आत्माओं को ऊर्जा प्रदान करने के लिए और अग्नि के सानिध्य में जीने वाले हम जैसे लोगों को बंजरपन का सामना करने और यह जानने की याद दिलाने के लिए है कि इसके बाद हरियाली और नया जीवन आएगा। कई मायनों में सावन भारत का सबसे लोकतांत्रिक मौसम है। यह सबके लिए उपलब्ध है, लेकिन हर व्यक्ति के लिए इसका अपना अनूठा महत्व है। अलग-अलग लोगों के लिए, उनके पेशे, उम्र, यादों, आस्था, आकांक्षाओं और परिस्थितियों के अनुसार इसके अलग-अलग अर्थ होते हैं। कुछ के लिए यह सफलता का प्रतीक है, तो दूसरों के लिए प्रेम का। कई लोगों के लिए यह आस्था की यात्रा है, तो बच्चों के लिए, मस्ती का! जी हां, हममें से हर कोई अपने-अपने तरीके से सावन का अनुभव करता है। भारत के किसानों के लिए सावन सिर्फ बारिश नहीं, बल्कि जीवन और जीने का मौका है। कृषि आज भी इस देश में लाखों लोगों का प्रमुख रोजगार स्रोत है और बारिश का समय पर आना या न आना कई जगहों पर जीवन-मरण का सवाल होता है। हम सभी को इंतजार करना पड़ता है, और हर बादल उम्मीद लेकर आता है, हर बौछार राहत देती है, हर हरा-भरा खेत महीनों के धैर्य और मेहनत का फल होता है। समय पर बारिश होने से मिट्टी उपजाऊ होती है और किसान का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। सफलता के बिना, आशावाद की जगह चिंता ले लेती है। इसलिए किसान सावन पर निर्भर है और उसे इस पर भरोसा करना ही चाहिए। सावन भारतीय कविता का अभिन्न अंग रहा है। वसंत ऋतु प्रेम के द्वार खोलती है, वहीं वर्षा ऋतु प्रेम और भावनाओं की प्रचुरता की अभिव्यक्ति मानी जाती है। प्राचीन संस्कृत के कवियों, मध्यकालीन भक्ति संतों, लोकगीतों और समकालीन लेखकों को काले बादलों, हल्की फुहारों, दूर-दूर तक फैले तूफानों और वर्षा से व्याकुल दृश्यों से प्रेरणा मिली है। ऐसा लगता है कि बारिश का मौसम प्रेम को एक नई लय देता है। बारिश परिदृश्य और भावनाओं को शांत और मधुर बना देती है। कीचड़ से सनी सड़कें, झूमते पेड़, ठंडी हवा, धुंधली परछाइयाँ - ये सभी दृश्य चिंतन और आत्मीयता को प्रेरित करते हैं। वास्तव में, भारत की कुछ बेहतरीन कविताएँ, संगीत और चित्रकलाएँ बारिश के रोमांस को सम्मान देती हैं, शायद इसलिए कि यह महज़ एक संयोग नहीं है। सावन का मौसम देश के गांवों में लोगों के जीवन को त्योहारों में बदल देता है। बरगद, नीम

और पीपल के पेड़ों पर झूले लगाए जाते हैं। चमकीले कपड़े पहने युवतियां मल्हार और कजरी जैसे पारंपरिक गीत गाती हैं, जिनमें प्रेम, एकांत और प्रकृति की समृद्धि का वर्णन होता है। नवविवाहित बेटियों के लिए यह मौसम अक्सर बचपन के घर को यादों से भर देता है और उन रिश्तों को फिर से जीवंत करने का अवसर होता है जो भले ही टूट गए हों, लेकिन कभी खोए नहीं। यह सिर्फ एक सांस्कृतिक परंपरा नहीं, बल्कि जीने का एक तरीका है; ये लोक परंपराएं हैं और भारत के भावनात्मक और सामाजिक ताने-बाने की अभिव्यक्ति हैं। सावन का मौसम बच्चों की तरह आनंदित होता है। उन्हें कृषि उत्पादन या मौसम पूर्वानुमान की कोई चिंता नहीं होती। बारिश का मतलब है नंगे पैर नाचना, पानी के गड्ढों में कागज़ की नावें तैराना, इंद्रधनुष के पीछे खेलना और खुलकर हंसना। जब वे खुश होते हैं, तो ऐसा लगता है मानो बड़ों को एक सरल तथ्य याद आ रहा होः कभी-कभी, खुशी छोटी-छोटी चीजों में ही होती है! लेकिन आजकल के बच्चे बाहर और निर्धारित गतिविधियों में बहुत कम समय बिताते हैं। कई बच्चों के लिए मानसून उस समय में आता है जब डिजिटल मनोरंजन बाहरी खेलों की जगह ले रहा होता है। प्रकृति के साथ इस घनिष्ठ संबंध को संरक्षित करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि जंगलों और नदियों के साथ। लेकिन वृद्ध लोगों के लिए सावन का अर्थ अलग होता है। जब बारिश के दिन आते हैं, तो उन्हें कई बातें याद आ जाती हैः बचपन के खेल, बचपन की दोस्ती, पारिवारिक मिलन और सादगी भरे पल। यह सिर्फ खिड़की के पास बैठकर गर्म चाय की चुस्की लेते हुए बाहर बारिश की हल्की आवाज़ सुनने का समय नहीं है, बल्कि यह जीवन भर के अनमोल पलों को याद करने का समय है। इस मायने में मानसून स्मृतियों का साथी होता है। यह ऋतु आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रावण सबसे पवित्र माह है जो भगवान शिव को समर्पित है और प्रत्येक वर्ष, भारत में बड़ी संख्या में लोग उनके मंदिरों में दर्शन के लिए जाते हैं। अनुशासन, त्याग और आस्था वे प्रमुख तत्व हैं जिनके माध्यम से तीर्थयात्री लंबी यात्राओं पर निकलते हैं और नदियों से पवित्र जल लाकर शिव मंदिरों में अर्पित करते हैं। ये सभी अनूठी भारतीय परंपराएं हैं जहां दुनिया और प्रकृति आपस में जुड़ी हुई हैं और आध्यात्मिक महत्व रखती हैं। नदियां, पहाड़, जंगल, वर्षा और भूमि केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं हैं बल्कि जीवन के लिए पवित्र स्थान रखते हैं। आज सावन पर्यावरण में असंतुलन का भी प्रतीक है। जलवायु परिवर्तन ने वर्षा के पैटर्न पर गहरा प्रभाव डाला है। कुछ क्षेत्रों में सामान्य से सौ गुना अधिक वर्षा होती है, जिससे बाढ़ और भूस्खलन जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं, वहीं कुछ क्षेत्रों में लंबे समय तक सूखा पड़ता है। शहरीकरण की गति तेज हो गई है और आर्द्रभूमि की जगह कंक्रीट का निर्माण हो गया है, जिससे प्राकृतिक जल निकासी व्यवस्था कमजोर हो गई है और शहरी बाढ़ की समस्या बढ़ गई है। हालांकि, पानी की अधिकता के साथ-साथ पानी की कमी भी हो रही है। यह मौसम, जो पहले प्रचुरता का प्रतीक हुआ करता था, अब हमें पारिस्थितिक नाजुकता के प्रति अधिकाधिक जागरूक बना रहा है। इसलिए सावन उत्सव का विषय है और इसके प्रति जिम्मेदारी की भावना भी आवश्यक है। वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण अब वैकल्पिक नीतियां नहीं रह गई हैं, न ही वृक्षारोपण, आर्द्रभूमि संरक्षण और सतत शहरी नियोजन। कोई भी आकाश से गिरने वाली पानी की उस अनमोल बूंद को बर्बाद नहीं करना चाहेगा। आज, चिकित्साकरण, प्रतिस्पर्धा और अलगाव से भरी इस दुनिया में, जहाँ हर किसी का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है, मानसून लयबद्ध रूप से 'रुक जाओ!' का आह्वान करता है। यह प्रतीक्षा, प्रचुरता, नवीनीकरण और आशा का पाठ है। यह इस बात की गारंटी है कि कोई भी खराब फसल हमेशा के लिए नहीं रहेगी। सूखी भूमि एक बार फिर सुंदर पौधों से भर जाएगी, और थके हुए दिलों को भी नई खुशी मिलेगी। मानसून वास्तव में अपने आप में एक अनोखी जलवायु घटना है। यह जीवन का एक तरीका है। यह एक ऐसी सीख है जो कहती है कि हर अंत के पीछे एक शुरुआत होती है; हर सूखा खत्म होता है, हर खामोशी एक गीत होती है। आज और आगे भी जब तक बारिश होती रहेगी, आइए हम इसे जीवनदायी उपहार के रूप में स्वीकार करें और उन मूल्यों को भी अपनाएं जो यह हमें सिखाती है। आइए हम जल बचाएं, प्रकृति बचाएं, रिश्तों को मजबूत करें, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करें और खुले दिल से नवीनीकरण का स्वागत करें।

महीनों की भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बाद बारिश होती है; यह केवल प्यासी धरती के लिए ही पानी नहीं है, बल्कि जागृत सपनों के लिए, थकी हुई आत्माओं को ऊर्जा प्रदान करने के लिए और अग्नि के सानिध्य में जीने वाले हम जैसे लोगों को बंजरपन का सामना करने और यह जानने की याद दिलाने के लिए है कि इसके बाद हरियाली और नया जीवन आएगा। कई मायनों में सावन भारत का सबसे लोकतांत्रिक मौसम है। यह सबके लिए उपलब्ध है, लेकिन हर व्यक्ति के लिए इसका अपना अनूठा महत्व है। अलग-अलग लोगों के लिए, उनके पेशे, उम्र, यादों, आस्था, आकांक्षाओं और परिस्थितियों के अनुसार इसके अलग-अलग अर्थ होते हैं। कुछ के लिए यह सफलता का प्रतीक है, तो दूसरों के लिए प्रेम का। कई लोगों के लिए यह आस्था की यात्रा है, तो बच्चों के लिए मस्ती का! जी हां, हममें से हर कोई अपने-अपने तरीके से सावन का अनुभव करता है। भारत के किसानों के लिए सावन सिर्फ बारिश नहीं, बल्कि जीवन और जीने का मौका है।

देश | दुनीया से

भारत में कम्युनिस्ट, नक्सलवाद और ईसाई मिशनरीज

भारत में नक्सलवाद को कम्युनिस्ट आंदोलन की देन माना जा सकता है। वास्तव में कम्युनिस्ट अब एक आंदोलन नहीं रह गया है। यह अब एक मृत विचारधारा बन चुका है और विश्वशांति के समर्थक किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अब 'कम्युनिज्म' में कोई आकर्षण नही रहा है। इसका कारण है कि साम्यवादी विचारधारा अपने आप में एक रक्तिम विचारधारा है। इसका अभी तक का सारा इतिहास रक्तिम रहा है। उदाहरण के रूप में रूस में साम्यवादी क्रांति (1917) होते ही 1921 में अकाल पड़ा तो उसमें लगभग पौने तीन करोड़ लोग प्रभावित हुए थे उसमें सरकारी प्रबंधन से कुपित होकर 16000 नाविकों ने विद्रोह कर दिया था। जिसे रूस के तत्कालीन तानाशाह राष्ट्रपति लेनिन ने अपने 60000 सैनिकों की तैनाती कर निर्ममता से कुचलवा दिया था और 16000 नाविकों को स्वर्ग लोक पहुंचा दिया था। इसके पश्चात रूस में जब स्टालिन का शासन आया तो वहां दो करोड़ से अधिक लोगों की हत्याएं कर दी गयीं थीं। उनका अपराध केवल यह था कि वे साम्यवादी विचारधारा की क्रूरता के सामने बोलने का साहस कर रहे थे। 1951 में हंगरी में सोवियत संघ ने अपनी क्रूरता का प्रदर्शन किया, जिसमें 25000 हंगरी नागरिकों को मार दिया गया था। 1968 की अगस्त में छह लाख रूसी और अन्य वर्सावि सैनिकों ने लोकतांत्रिकीकरण के 'डब चेक' प्रयास को रौंदने के लिए चेकोस्लोवाकिया में टैंकों के साथ आक्रमण किया। सन 1981 में चीन ने लोकतंत्र की मांग कर रहे अपने छात्रों की मांग को निर्दयतापूर्वक कुचल कर बड़ी संख्या में छात्रों को मौत के घाट उतार दिया था। पश्चिम बंगाल में सन 1977 से लेकर 2001 के मध्य साम्यवादियों के शासनकाल में लगभग 44000 हत्याएं की गयीं। इस का अभिप्राय था कि 1735 व्यक्ति प्रतिवर्ष मारे गये अर्थात विचारधारा के नाम पर बंगाल में चार व्यक्ति प्रतिदिन मारे जाते रहे। तब किसी भी 'अखलाक' की मृत्यु पर कम्युनिस्टों ने एक दिन भी छाती नही पीटी थी। पश्चिम बंगाल में 1992 से 1996 के मध्य बलात्कार की

संख्या 3712 प्रति वर्ष थी। जो कि 1997 से 2001 के बीच बढ़कर 4847 हो गयी। किसी भी 'निर्भया' को देखकर साम्यवादियों का हृदय नही पसीजा और ना उन्होंने एक दिन भी यह कहा कि बलात्कार की पीड़ित हर महिला भारत की बेटी है। उन्हें बलात्कार की पीड़ित हर नारी उस समय 'गर्म गोश्त' ही दिखायी देती रही। मजदूरों की सबसे अधिक चिंता करने वाले कम्युनिस्टों के शासनकाल में पश्चिम बंगाल में 1980-1990 के मध्य औद्योगिक आतंकवाद के चलते फेक्ट्रीयों में आत्महत्या की 63 घटनाएं हुईं। जबकि 1991 से 2001 के दशक में यह संख्या 85 हो गयी। कुछ कालोपरांत 2003 में पश्चिम बंगाल में 19 लाख श्रमिकों वाली 53000 औद्योगिक इकाइयां बंद हो गयीं। अब साम्यवादियों की 'सहिष्णुता' देखिये। केरल में 1961 से 2002 के मध्य आरएसएस के 150 से अधिक कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गयी। 1994 से अक्टूबर 2000 तक कम्युनिस्ट आतंकियों ने झारखण्ड में 1042 लोगों की हत्या कीं। ये कट्टरवादी नरसंहार की 3500 घटनाओं के उत्तरदायी हैं। इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि साम्यवादी विचारधारा अपने आप में एक अलोकतांत्रिक विचारधारा है जो अपने मूल स्वभाव में पूर्णतः असहिष्णु है। जहां तक भारत की बात है तो इस देश में रहकर भी साम्यवादी इसके विरोधी हैं। वर्तमान में भारत के इतिहास का विकृतीकरण कर भारत की हानि करने में कम्युनिस्टों ने जितना अपना सहयोग दिया है उतना किसी अन्य ने नहीं दिया है। इनके ऐसे काले कारनामों को देखकर ही लोगों ने साम्यवादियों से मुंह फेर लिया है। अब यह सत्ता से दूर कर दिये गये हैं और ये अपने किये का दण्ड भोग रहे हैं। अब भारत में नक्सलवाद के नाम पर कम्युनिस्ट एक नया आतंकवाद खड़ा कर रहे हैं। नक्सलवादी उन आंचलों में सक्रिय होते हैं जहां सबसे अधिक निर्धन लोग रहते हैं। निर्धन लोगों के भीतर सरकार के विरूद्ध पनप रहे क्षोभ और आक्रोश को ये लोग भुनाते हैं और निर्दोष लोगों को अपने चंगुल में फंसाकर उन्हें निर्दोषों का रक्त बहाने के लिए प्रेरित करते हैं। यद्यपि सैद्धांतिक दृष्टि से वहां माओवाद नहीं होता, परंतु इनका एक ही उद्देश्य होता है कि जो सत्ताधीश अर्थात शासन और जनता के बीच के लोग तुम्हें दुखी कर रहे हैं उन्हें मारते चलो। तुम्हें रोटी की समस्या है तो वह तुम्हें हम दिलाएंगे। इस प्रकार अराजकता का सहारा लेकर लोगों को उसके लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस प्रोत्साहन का उद्देश्य देश में सर्वत्र हिंसा फैलाना और कटुता का वातावरण उत्पन्न करना है। जिससे देश के विकास कार्य प्रभावित हों और देश में सर्वत्र घृणा की आग फैल जाए। कांग्रेसियों के साथ सत्य, अहिंसा और प्रेम की बात कहने वाले गांधीजी को कम्युनिस्ट बड़ी श्रद्धा से देखने का नाटक करते हैं। परंतु गांधीजी की अहिंसा के विपरीत समाज में सर्वत्र हिंसा और घृणा का परिवेश स्थापित करते हैं। सरकार को चाहिए कि नक्सलवादी हिंसा में लगे युवाओं की आर्थिक समस्याओं का समाधान दें और नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में नक्सलवादियों की पीठ थपथपा रहे कम्युनिस्टों के सूत्रों को काटने के लिए उन्हें स्कूली पाठ्यक्रम के माध्यम से देशभक्ति का पाठ पढ़ाया जाए।

आप का | नजरीया

अब ई20 पर भड़काने की तैयारी

नीट परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन की गर्मी अभी शांत भी नहीं हुई है कि आंदोलनजीवियों ने जनता को भ्रमित करने एवं भड़काने के लिए दूसरा विषय खोजना शुरू कर दिया है। पिछले कुछ महीनों से एथनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर एक नकारात्मक नैरेटिव खड़ा करने का प्रयास किया गया है। परिणामस्वरूप, एथनॉल मिश्रित पेट्रोल की नीति को लेकर उठ रही आपत्तियों और राजनीतिक बयानों ने एक बार फिर ऊर्जा संक्रमण की इस प्रक्रिया को व्यापक बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है। एक तरफ जहां सरकार इसे पर्यावरण संरक्षण, विदेशी मुद्रा की बचत और किसानों की आय बढ़ाने वाले दूरगामी कदम के रूप में प्रस्तुत कर रही है, वहीं दूसरी तरफ विपक्षी दलों, ट्रांसपोर्ट यूनियनों और आम वाहन चालकों के विरोध प्रदर्शनों ने नीति के व्यावहारिक क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ई20 को लेकर जनता के बीच बने भ्रम के वातावरण एवं आक्रोश का लाभ उठाने की दृष्टि से कॉकरोच आंदोलन से निवृत्त हुए आंदोलनजीवियों ने अब ई20 पेट्रोल को लेकर मोर्चाबंदी की तैयारी शुरू कर दी है। इस मुद्दे पर भी आंदोलन आग पकड़ सकता है क्योंकि वर्तमान में इस पूरे विवाद को लेकर आम जनता के भीतर एक अजीब तरह के संशय और असुरक्षा की भावना पनप रही है। वाहन मालिकों, विशेषकर अप्रैल 2023 से पहले निर्मित पुरानी गाड़ियों का उपयोग करने वाले लोगों के बीच यह डर घर कर गया है कि एथनॉल मिश्रित ईंधन उनकी गाड़ियों के इंजन को नुकसान पहुंचा सकता है। माइलेज में कमी, इंजन पार्ट्स में क्षरण और बार-बार मरम्मत की जरूरत जैसी शिकायतों ने लोगों के मन में इस नीति के प्रति एक नकारात्मक धारणा बना दी है। चूंकि देश में एक बड़ा वर्ग अपनी गाड़ियां सालों-साल चलाता है, इसलिए उनके लिए यह मुद्दा सीधे तौर पर वित्तीय बोझ से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, पेट्रोल पंपों पर पुरानी गाड़ियों के लिए सामान्य (बिना मिश्रित या कम मिश्रित) ईंधन का स्पष्ट विकल्प उपलब्ध न होना जन-असंतोष को और हवा दे रहा है। लोगों को लग रहा है कि तकनीकी स्पष्टता और पूर्व तैयारी के बिना यह बदलाव उन पर जबरन थोपा गया है। सरकार के लिए यह स्थिति बेहद नाजुक है, क्योंकि यदि जनता का भरोसा ही डिग जाएगा तो इतना बड़ा सुधार अपनी साख खो देगा। ऐसे में सरकार को समय रहते और बिना किसी देरी के बहुस्तरीय तैयारियां करनी होंगी। सबसे पहले, सरकार को पारदर्शिता और जन-जागरूकता का रास्ता अपनाना चाहिए। केवल आंकड़ों के आधार पर नीति को सही ठहराने के बजाय, एक निष्पक्ष तकनीकी रिपोर्ट जनता के सामने रखी जाए, जो पुरानी और नई गाड़ियों पर ई20 के प्रभाव को लेकर स्थिति पूरी तरह साफ करे। इसके अलावा, सरकार को ईंधन विकल्पों के मामले में लचीला रुख अपनाना होगा। जब तक देश का बड़ा वाहन बेड़ा ई20 के लिए पूरी तरह अनुकूल नहीं हो जाता, तब तक उपभोक्ताओं को पुरानी गाड़ियों के लिए वैकल्पिक या कम-एथनॉल युक्त ईंधन चुनने का अधिकार मिलना आवश्यक है। ऑटोमोबाइल निर्माताओं के साथ मिलकर पुरानी गाड़ियों को इस ईंधन के अनुकूल बनाने वाली किट उपलब्ध कराने या सुरक्षा उपायों को तय करने पर भी काम किया जाना चाहिए। नीतिगत बदलाव तभी टिकाऊ और सफल हो सकते हैं जब वे जन-विश्वास के धरातल पर टिके हों, अन्यथा प्रशासनिक जिद से उपजा आक्रोश किसी भी बेहतर उद्देश्य को पटरी से उतार सकता है।

विदेशी मुद्रा की बचत और किसानों की आय बढ़ाने वाले दूरगामी कदम के रूप में प्रस्तुत कर रही है, वहीं दूसरी तरफ विपक्षी दलों, ट्रांसपोर्ट यूनियनों और आम वाहन चालकों के विरोध प्रदर्शनों ने नीति के व्यावहारिक क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ई20 को लेकर जनता के बीच बने भ्रम के वातावरण एवं आक्रोश का लाभ उठाने की दृष्टि से कॉकरोच आंदोलन से निवृत्त हुए आंदोलनजीवियों ने अब ई20 पेट्रोल को लेकर मोर्चाबंदी की तैयारी शुरू कर दी है। इस मुद्दे पर भी आंदोलन आग पकड़ सकता है क्योंकि वर्तमान में इस पूरे विवाद को लेकर आम जनता के भीतर एक अजीब तरह के संशय और असुरक्षा की भावना पनप रही है। वाहन मालिकों, विशेषकर अप्रैल 2023 से पहले निर्मित पुरानी गाड़ियों का उपयोग करने वाले लोगों के बीच यह डर घर कर गया है कि एथनॉल मिश्रित ईंधन उनकी गाड़ियों के इंजन को नुकसान पहुंचा सकता है। माइलेज में कमी, इंजन पार्ट्स में क्षरण और बार-बार मरम्मत की जरूरत जैसी शिकायतों ने लोगों के मन में इस नीति के प्रति एक नकारात्मक धारणा बना दी है। चूंकि देश में एक बड़ा वर्ग अपनी गाड़ियां सालों-साल चलाता है, इसलिए उनके लिए यह मुद्दा सीधे तौर पर वित्तीय बोझ से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, पेट्रोल पंपों पर पुरानी गाड़ियों के लिए सामान्य (बिना मिश्रित या कम मिश्रित) ईंधन का स्पष्ट विकल्प उपलब्ध न होना जन-असंतोष को और हवा दे रहा है। लोगों को लग रहा है कि तकनीकी स्पष्टता और पूर्व तैयारी के बिना यह बदलाव उन पर जबरन थोपा गया है।

कुछ | अलग

संत को दुखी व्यक्ति को सीख

एक लोक कथा है, बहुत समय पहले एक गांव में एक व्यक्ति मेहनत और ईमानदारी से गरीबी दूर करना चाहता था। उसने कई छोटे-बड़े काम शुरू किए, लेकिन हर बार उसे असफलता ही मिली। धीरे-धीरे उसका आत्मविश्वास खत्म होने लगा। उसे लगने लगा कि किस्मत उसका साथ नहीं दे रही। अंततः उसने कोशिश करना ही छोड़ दिया और निराशा में डूब गया। उसी समय गांव में एक संत आए। लोगों ने बताया कि वे जीवन की कठिन समस्याओं का सरल समाधान बताते हैं। गरीब व्यक्ति भी उनसे मिलने पहुंचा और अपनी सारी परेशानियां सुनाईं। उसने कहा, ₹मैंने बहुत कोशिश की, लेकिन हर बार हार मिली। अब मुझमें आगे बढ़ने की ताकत नहीं बची।₹ संत मुस्कुराए और बोले, ₹मैं तुम्हें एक बच्चे की कहानी सुनाता हूं।₹ उन्होंने बताया कि एक छोटे बच्चे ने अपने घर के आंगन में बांस और कैक्टस के पौधे लगाए। वह रोज दोनों पौधों को समान मात्रा में पानी देता, खाद डालता और उनकी देखभाल करता। कुछ समय बाद कैक्टस तेजी से बढ़ने लगा, लेकिन बांस के बढ़ने का कोई निशान दिखाई नहीं देता था। बच्चा कभी-कभी उदास हो जाता, लेकिन उसने देखभाल करना बंद नहीं किया। काफी दिन बीत गए। एक दिन अचानक मिट्टी से बांस का छोटा-सा अंकुर बाहर आया। फिर देखते ही देखते कुछ ही दिनों में बांस का पौधा तेजी से बढ़ने लगा और थोड़े समय में कैक्टस से भी कहीं अधिक ऊंचा हो गया। संत ने कहा, ₹बांस इतने दिनों तक दिखाई नहीं दे रहा था, क्योंकि वह जमीन के भीतर अपनी जड़ों को मजबूत कर रहा था। मजबूत जड़ों के कारण ही वह बाद में इतनी तेज गति से बढ़ सका।₹ संत की बात सुनकर गरीब व्यक्ति की आंखें खुल गईं।

दृष्टि | कोण

भीड़ नियंत्रण की संवैधानिक कसौटी

लोकतंत्र की शक्ति उसकी राज्यसत्ता में नहीं बल्कि असहमति को स्वीकार करने की क्षमता में निहित होती है। चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था को वैधता अवश्य देते हैं, किंतु उसकी वास्तविक परिपक्वता इस बात से मापी जाती है कि वह विरोध, प्रतिरोध और नागरिक असहमति के साथ कैसा व्यवहार करता है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में धरना, प्रदर्शन, रैली और जनसभा केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं होते; वे नागरिकों और राज्य के बीच संवाद के संवैधानिक माध्यम हैं। इसलिए जब किसी प्रदर्शन को नियंत्रित करने के लिए राज्य बल प्रयोग करता है, तब प्रश्न केवल कानून-व्यवस्था का नहीं रह जाता बल्कि नागरिक स्वतंत्रता, मानवाधिकार और संविधान की आत्मा से जुड़ जाता है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित "चलो संसद" प्रदर्शन के दौरान पैलेट गन के कथित उपयोग को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में दायर याचिका ने इसी मूल प्रश्न को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है। पूर्व भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी और खुफिया ब्यूरो के पूर्व विशेष निदेशक यशोवर्धन आजाद सहित याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि प्रदर्शनकारियों पर बिना पर्याप्त चेतावनी ऐसे प्रक्षेपास्त्रों का प्रयोग किया गया जिससे अनेक लोग घायल हुए। याचिका में नागरिक प्रदर्शनों के दौरान धातुयुक्त पैलेट के प्रयोग पर रोक, घायलों के उपचार, पुनर्वास और मुआवजे की मांग की गई है। दूसरी ओर, रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ.) ने इन आरोपों का सार्वजनिक रूप से खंडन करते हुए कहा है कि भीड़ नियंत्रण के लिए केवल स्वीकृत गैर-घातक साधनों का उपयोग किया गया। इन परस्पर विरोधी दावों के बीच सर्वोच्च न्यायालय ने न तो किसी पक्ष को दोषी ठहराया है और न ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचने की जल्दबाजी दिखाई है। न्यायालय ने केवल केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है तथा उपलब्ध अभिलेखों और प्रयुक्त सामग्री को सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। यही संवैधानिक

न्यायशास्त्र की पहचान है—निर्णय आरोपों या जनभावना से नहीं, बल्कि साक्ष्य और विधि के आधार पर दिए जाते हैं। इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि सर्वोच्च न्यायालय वस्तुतः केवल एक उपकरण की वैधता पर विचार नहीं कर रहा बल्कि उस व्यापक संवैधानिक प्रश्न पर भी विचार कर रहा है कि लोकतांत्रिक राज्य अपने नागरिकों के साथ बल प्रयोग की सीमा कहाँ तक निर्धारित कर सकता है। यह प्रश्न नया नहीं है। भारतीय संविधान की रचना के समय से ही यह स्वीकार किया गया था कि राज्य को सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने का अधिकार होगा किंतु यह अधिकार निरंकुश नहीं होगा। संविधान ने शक्ति और स्वतंत्रता के बीच संतुलन को लोकतांत्रिक शासन का मूल सिद्धांत बनाया है। अनुच्छेद 19(1)(क) प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, जबकि अनुच्छेद 19(1)(ख) शांतिपूर्वक और निःशस्त्र सभा करने का अधिकार सुनिश्चित करता है। इन अधिकारों पर युक्तिसंगत प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, परंतु वे प्रतिबंध राज्य की सुविधा से नहीं, बल्कि संविधान द्वारा निर्धारित सीमाओं से संचालित होते हैं। इसका अर्थ यह है कि राज्य कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर नागरिक स्वतंत्रताओं को अनावश्यक रूप से सीमित नहीं कर सकता। लोकतंत्र में व्यवस्था की रक्षा और स्वतंत्रता की सुरक्षा—दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। यही कारण है कि आधुनिक लोकतंत्रों में भीड़ नियंत्रण का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत 'न्यूनतम आवश्यक बल' माना जाता है।

महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण से बनेगा समृद्ध राजस्थान नशा मुक्त युवा विकसित भारत की नींव : मुख्यमंत्री भजनलाल

उदयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत और उज्ज्वल भविष्य का आधार हैं। वे रविवार को यहां महिला सुरक्षा संकल्प आयोजन के तहत राजस्थान कृषि महाविद्यालय (आरसीए) परिसर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इससे पूर्व नारी शक्ति रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए *नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान* से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़कर युवाओं को नशे से दूर रहने का संकल्प भी दिलाया। उदयपुर दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महिला सुरक्षा संकल्प आयोजन के तहत आयोजित नारी शक्ति रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली राजस्थान कृषि महाविद्यालय (आरसीए) परिसर से प्रारंभ होकर सूरजपोल, बापू बाजार और देहली गेट होते हुए टाउन हॉल पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में कालिका पेट्रोलिंग यूनिट, महिला कांस्टेबल, टूरिस्ट पुलिस, अश्वारोही पुलिस बल, महिला सशक्तीकरण से जुड़ी विभिन्न झांकियां, महिला खिलाड़ी, गाइड तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की स्वयंसेविकाओं सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण का संदेश दिया। पुलिस स्क्रॉड की महिला टीम स्कूटी पर तिरंगा लेकर निकली, वहीं महिला पुलिसकर्मी ऊंटों पर तथा अश्वारोही पुलिस बल घोड़ों पर सवार होकर आकर्षण का केंद्र रहे। इसके बाद मुख्यमंत्री नगर निगम के सुखाड़िया रंगमंच पहुंचे, जहां उन्होंने उदयपुर जिले में 421 करोड़ रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, जिले के प्रभारी एवं राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, पूर्व मंत्री राजेन्द्रसिंह राठौड़, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, लोकसभा सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, विधायक ताराचंद जैन, फूलसिंह मीणा, उदयलाल डांगी, प्रताप मीणा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मंचासीन रहे। इसी दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रविवार को प्रारंभ किए गए *नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान* से मुख्यमंत्री वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत और उज्ज्वल भविष्य का आधार हैं। मुख्यमंत्री ने उपस्थित युवाओं को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई तथा *नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत* यूथ आइकन पोस्टर का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को भी नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया गया। जिले की विभिन्न तहसीलों के अधिकारी और जनप्रतिनिधि वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सहकारिता क्षेत्र में पहली बार 10 लाख सदस्य बनाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार सहकारिता में व्यापक सदस्यता नहीं बढ़ा सकी, जबकि वर्तमान सरकार ने इस क्षेत्र को मजबूत करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को लगातार कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनें। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री एकलिंगजी दर्शन के लिए रवाना हुए, जहां से वे राजसमंद जाएंगे। शाम को वे उदयपुर संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों की बैठक भी लेंगे। मुख्यमंत्री ने इससे पहले शनिवार रात झाड़ोल क्षेत्र के बीड़ा गांव में रात्रि चौपाल और प्रात: भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से संवाद कर विभिन्न सरकारी योजनाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि बीड़ा किसानों और पशुपालकों का गांव है।

बरनाला में भी दिखी कांग्रेस की गुटबाजी, चन्नी समर्थकों ने लगाए नारे

बरनाला (हिंस)। संगरूर और पटियाला में पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी तथा पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग के समर्थकों के बीच टकराव के एक दिन बाद रविवार को बरनाला में भी कांग्रेस की गुटबाजी सामने आ गई। पार्टी के *हर बूथ, कांग्रेस मजबूत* कार्यक्रम के दौरान चन्नी समर्थकों ने उनके पक्ष में नारेबाजी की। कार्यक्रम में पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल, राजा वडिंग, विधायक कुलदीप सिंह काला ढिल्लों, पूर्व मंत्री ब्रह्म मोहिंद्रा, राज कुमार वेरका और रजिया सुल्ताना सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। नेताओं के संबोधन के दौरान चन्नी समर्थकों ने नारे लगाने शुरू कर दिए। स्थिति संभालने के लिए राजा वडिंग ने कार्यकर्ताओं से बार-बार नारेबाजी बंद करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे पार्टी को मजबूत करने की पूरी मेहनत खराब हो सकती है। विधायक काला ढिल्लों भी मंच से नीचे उतरकर कार्यकर्ताओं को शांत कराने पहुंचे। अपने संबोधन में काला ढिल्लों ने बिना किसी का नाम लिए कहा कि कुछ नेता दिल्ली में पार्टी मजबूत करने की बात करते हैं, लेकिन पंजाब लौटकर एक-दूसरे को कमजोर करने में लग जाते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से ऐसे लोगों के प्रति सतर्क रहने को कहा। रजिया सुल्ताना ने कहा कि किसी को कोई शिकायत है तो उसे पार्टी हाईकमान के सामने रखना चाहिए। बाद में पत्रकारों से बातचीत में राजा वडिंग ने कहा कि उन्हें चन्नी के समर्थन में नारे लगाए जाने पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने खुद भी चन्नी, प्रताप सिंह बाजवा और शमशेर सिंह दूलो के समर्थन में नारे लगाए। इससे पहले भूपेश बघेल ने भी मंच से वडिंग, चन्नी, बाजवा, सुखजिंदर सिंह रंधावा, ब्रह्म मोहिंद्रा और रजिया सुल्ताना के समर्थन में नारे लगाए थे। हालांकि, चरणजीत सिंह चन्नी, प्रताप सिंह बाजवा और सुखजिंदर सिंह रंधावा कार्यक्रम में मौजूद नहीं थे। कांग्रेस का अगला *हर बूथ, कांग्रेस मजबूत* कार्यक्रम मानसा में आयोजित किया जाना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय कार्यक्रम में गूंजा एमएम कॉलेज का नाम

फतेहाबाद (हिंस)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा उच्चतर शिक्षा विभाग, पंचकूला द्वारा आयोजित *नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान* के अंतर्गत एमएम कॉलेज, फतेहाबाद ने एक नया ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। वर्ष 2047 तक भारत को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से पूरे देश में 10, 000 से अधिक स्थानों पर आयोजित इस मेगा राष्ट्रीय कार्यक्रम में हरियाणा प्रदेश के केवल 19 संस्थानों का चयन किया गया था। इनमें एमएम कॉलेज, फतेहाबाद पूरे प्रदेश में एकमात्र डिग्री कॉलेज के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल कार्यक्रम से सीधे जुड़ने में सफल रहा। संस्थान के लिए सबसे बड़े गर्व की बात यह रही कि प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष प्रदर्शित आधिकारिक वीडियो में एमएम कॉलेज की गतिविधियों का भी दृश्य शामिल किया गया, जिससे पूरे देश में कॉलेज व फतेहाबाद जिले का नाम रोशन हुआ है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए पूर्व जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार ने कहा कि एमएम कॉलेज फतेहाबाद ने आज केवल जिले का ही नहीं, बल्कि संपूर्ण हरियाणा प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। एमएम एजुकेशन सोसायठी प्रधान राजीव बतरा ने बताया कि पूरे हरियाणा प्रदेश में केवल 19 जगह ही इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ था, जिसमें एमएम कॉलेज का चयन होना अत्यंत गर्व का विषय है। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय निदेशक श्रवण राम ने कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी।

एनडीपीएस, तस्करी और देह व्यापार से अर्जित संपत्ति होगी जब्त, सात आरोपी चिन्हित

किशनगंज (हिंस)। पुलिस ने अपराध के माध्यम से अर्जित संपत्ति के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। जिले में सात ऐसे व्यक्तियों की पहचान की गई है, जिन पर एनडीपीएस एक्ट के मामलों, मादक पदार्थों की तस्करी, देह व्यापार तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों के जरिए अवैध संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। इनकी संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रभारी पुलिस अधीक्षक हरिमोहन शुक्ला ने बताया कि अपराध से अर्जित संपत्ति की जब्ती के लिए सात आरोपितों के विरुद्ध प्रस्ताव तैयार कर न्यायालय को भेजे गए हैं। न्यायालय से अनुमति मिलने के बाद विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए संबंधित संपत्तियों को जब्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल अपराधियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि अपराध से अर्जित आर्थिक संसाधनों को भी समाप्त करना है। इससे संगठित अपराध और अवैध कारोबार के आर्थिक तंत्र को कमजोर किया जा सकेगा। पुलिस लगातार ऐसे मामलों की समीक्षा कर रही है, जिनमें अपराध से अर्जित धन या संपत्ति का इस्तेमाल होने के साक्ष्य मिल रहे हैं। प्रभारी एसपी ने बताया कि जिले में अपराध नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध कारोबार तथा अन्य संगठित अपराधों में संलिप्त लोगों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। जहां भी अपराध से अवैध संपत्ति अर्जित करने के प्रमाण मिल रहे हैं, वहां कानून के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि अपराध से अर्जित संपत्ति की जब्ती की यह पहल अपराधियों के आर्थिक नेटवर्क को कमजोर करने में प्रभावी साबित होगी। साथ ही यह स्पष्ट संदेश जाएगा कि अवैध तरीके से अर्जित संपत्ति को कानून के तहत जब्त किया जा सकता है। अब न्यायालय में भेजे गए प्रस्तावों पर आगे की कार्रवाई का इंतजार है।

ड्रोन से भेजी गई 10 किलो हेरोइन और 11 विदेशी हथियार बरामद, एक गिरफ्तार

बीकानेर (हिंस)। स्वतंत्रता दिवस से पहले भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे बीकानेर जिले के खाजूवाला क्षेत्र में पुलिस ने ऑपरेशन *शॉक वेव* के तहत नशे और हथियारों की बड़ी खेप बरामद करके अंतर्राष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क का खुलासा किया है। बरामद हेरोइन की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 50 करोड़ रुपए आंकी गई है। मामले में तस्कर वीरेंद्र को गिरफ्तार किया गया है। बीकानेर के पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि बीकानेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश के निर्देशन में डीएसटी और खाजूवाला थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए खाजूवाला थाना क्षेत्र के 32 हेड स्थित चक 6 बीडी सड़क मार्ग पर दबिश दी। वहां से आरोपी को करीब 10 किलोग्राम हेरोइन, विदेशी हथियारों के जखीरे और एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी के कब्जे से दो तुर्किये निर्मित जिगाना पिस्टल, चार ग्लॉक पिस्टल, पांच स्टार मार्क .30 बोर पिस्टल, 22 मैगजीन तथा 100 जीवित कारतूस बरामद किए गए हैं। इसके अलावा 999 अफगान मार्का करीब 10 किलोग्राम हेरोइन भी जब्त की गई है। मृदुल कच्छावा ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस से पहले पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के माध्यम से नशा और हथियार भारत में पहुंचाने की साजिश रची गई थी। बीकानेर पुलिस लगातार खुफिया सूचनाओं पर निगरानी बनाए हुए थी। इसी आधार पर ऑपरेशन *शॉक वेव* चलाकर यह कार्रवाई की गई।

37 पाक विस्थापित महिलाओं को मिला स्वरोजगार का संबल

जयपुर (हिंस)। सेवायाम संस्था की ओर से आयोजित समारोह में पाकिस्तान से विस्थापित 37 हिंदू महिलाओं को स्वरोजगार के लिए नि:शुल्क ऑटोमैटिक सिलाई मशीनें वितरित की गईं। *कौशल प्रशिक्षण अभियान* के तहत आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य पाक विस्थापित परिवारों के पुनर्वास और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना रहा। इस समारोह में कई महिलाओं ने पाकिस्तान में अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि वहां हिंदू परिवारों, विशेषकर महिलाओं और बेटियों को भय व असुरक्षा के माहौल में जीवन बिताना पड़ता था। उन्होंने कहा कि भारत में उन्हें सम्मान, सुरक्षा और बच्चों के बेहतर भविष्य की उम्मीद मिली है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जयपुर प्रांत प्रचारक बाबूलाल ने परिवार व्यवस्था और सामाजिक संगठन को भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति बताया। उन्होंने कहा कि समाज को सांस्कृतिक रूप से सशक्त और संगठित बनाए रखने की आवश्यकता है। अपने संबोधन में उन्होंने परिवार और सामाजिक रिश्तों को मजबूत करने पर बल देते हुए अधिक बच्चों के जन्म को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने पाकिस्तान से आए परिवारों से भारत में सम्मान और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने का आह्वान किया। सेवायाम की संस्थापक एवं पूर्व महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल सहायता देना नहीं, बल्कि जरूरतमंद परिवारों को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने बताया कि संस्था लंबे समय से पाक विस्थापित हिंदू परिवारों के पुनर्वास, महिला कौशल विकास, स्वरोजगार, शिक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्य कर रही है। इससे पहले भी संस्था की ओर से महिलाओं को सिलाई मशीनें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सिलाई मशीन एक महिला के आत्मसम्मान, रोजगार और परिवार के उज्ज्वल भविष्य की नई शुरुआत है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पाक विस्थापित हिंदू परिवार मौजूद रहे। अंत में 37 महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित की गईं।

भारत को पुन: सोने की चिड़िया बनाने का आह्वान

बीकानेर (हिंस)। स्वदेशी जागरण मंच जोधपुर प्रांत विचार वर्ग का द्वितीय दिवस विभिन्न सत्रों से होते हुए संपन्न हुआ। अंतिम सत्र में हरियाणा प्रांत के स्वदेशी जागरण मंच के संगठक कुलदीप ने बताया कि किस प्रकार मानसिकता परिवर्तन कर प्रचार तंत्र के सदुपयोग द्वारा स्वदेशी के अभियान को आगे बढ़ाया जा सकता है। स्वदेशी जागरण मंच आगामी महीनों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगा जिसमें *मैं भी स्वदेशी समर्थक अभियान,* 1 अगस्त से 20 अगस्त तक उद्यमिता प्रोत्साहन अभियान, 21 अगस्त से 20 अक्तूबर तक, स्वदेशी सप्ताह 25 सितंबर से 2 अक्तूबर तक तथा स्वदेशी मेला अक्तूबर माह में आयोजित किया जाएगाद्य वक्ता डॉक्टर कृष्ण अवतार गोयल ने युवा जनसंख्या भारत के विकास के आधार विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य अतिथि रामाचार्य जी महाराज जैसला मठ मुकाम, राष्ट्रीय सहसंयोजक अजय पत्की, धर्म प्रकाश पूर्व सदस्य राष्ट्रीय परिषद स्वदेशी जागरण मंच, सतीश आचार्य क्षेत्रीय संयोजक, भागीरथ जी खीचड़ राष्ट्रीय कृषि प्रकोष्ठ प्रमुख स्वदेशी जागरण मंच रहे।

हरियाणा के खिलाड़ियों ने देश का बढ़ाया गौरव : नायब सैनी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कॉमनवेल्थ खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों ने एक बार फिर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि खेलों में भारत को मिले 13 स्वर्ण पदकों में से सात स्वर्ण हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन किया है। इससे पहले भी विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश को मिले सर्वाधिक पदकों में हरियाणा के खिलाड़ियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार भी बॉक्सिंग और जैवलिन थ्रो सहित कई स्पर्धाओं में प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। इनमें रेवाड़ी की पैरा एथलेटिक्स शर्मीला ने गोल्ड मेडल, भिवानी की बॉक्सर प्रीति पंवार, जैसमीन लम्बोरिया, साक्षी चौधरी, सचिन सिवाच, प्रिया घनघस व हिसार के बॉक्सर अंकुश ने गोल्ड मेडल हासिल किया है। इसी प्रकार पानीपत के जेवलीन थ्रो नीरज चौपड़ा व हांसी के बॉक्सर नरेंद्र बेरवाल ने सिल्वर मेडल जीता है। भिवानी की एथलेटिक्स सीमा डिस्कस थ्रो में कांस्य पदक विजेता बनी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉमनवेल्थ खेलों में देश के लिए कुल 13 गोल्ड में से 7 गोल्ड हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते हैं। इनमें से राज्य के खिलाड़ियों ने 7 गोल्ड, 2 रजत और 1 कांस्य पदक जीतकर पूरे हरियाणा और देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने खिलाड़ियों के अभिभावकों को भी शुभकामनाएं दी। खिलाड़ियों की यह उपलब्धियां प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार खेल और खिलाड़ियों के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य रही है और खिलाड़ियों को विशेष सुविधाएं प्रदान की। इसलिए हरियाणा को खेलों का पावर हाउस कहा जाता है और प्रदेश के खिलाड़ी हर बार इस गौरव को साबित करते हैं। उन्होंने कहा कि नई खेल नीति के तहत सरकार द्वारा कारगर उठाए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल नीति के तहत नौकरियों के अलावा नकद पुरस्कार भी प्रदान किए जाते है। इसके अलावा इंडोर स्टेडियम, सिंथेटिक ट्रैक और विश्वस्तरीय एकेडमियां बनाई जा रही हैं। गांव स्तर पर खेल नर्सरी और नए खेल मैदानों का निर्माण किया गया है। इसके अलावा व्यायामशालाएं भी खोली गई हैं। नायब सिंह सैनी ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के तहत बेटियों के लिए विशेष खेल छात्रवृत्ति और फ्री कोचिंग की सुविधाएं सुलभ करवाई जा रही हैं। *खेलेंगे हरियाणा, जीतेंगे हरियाणा* संकल्प के साथ हमारी सरकार खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं, बेहतर कोचिंग और आर्थिक सहायता देकर खेलों को नई ऊंचाई तक ले जा रही है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि हरियाणा के खिलाड़ी भविष्य में इसी तरह देश व प्रदेश के लिए और अधिक पदक जीतकर राष्ट्र की शान बढ़ाते रहेंगे। सरकार खिलाड़ियों की हर सम्भव सहायता के लिए तत्पर है।

झूठा नैरेटिव बनाकर कांग्रेस में फूट डालना चाहती है भाजपा : गहलोत

जोधपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा पर उनके बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश करने और कांग्रेस में फूट डालने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने साफ किया कि उन्होंने कभी भी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर ट्रांसफर-पोस्टिंग में भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगाया। भाजपा झूठा नैरेटिव बनाकर कांग्रेस नेताओं को आपस में लड़ने और जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। रविवार को जोधपुर स्थित सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए गहलोत ने कहा कि बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित शिक्षकों के सम्मेलन के दौरान उन्होंने केवल सामान्य रूप से यह पूछा था कि क्या ट्रांसफर में भ्रष्टाचार होता है। इस पर वहां मौजूद शिक्षकों ने *हां* में जवाब दिया था। उन्होंने कहा कि राजस्थान में चाहे कांग्रेस की सरकार रही हो या भाजपा की, शिक्षा विभाग में ट्रांसफर और पोस्टिंग को लेकर भ्रष्टाचार की चर्चाएं हमेशा होती रही हैं। गहलोत ने बताया कि उनके सवाल के तुरंत बाद गोविंद सिंह डोटासरा ने मंच से कहा था कि यदि उन्होंने या उनके स्टाफ ने किसी से एक रुपया भी लिया हो तो कोई सामने आकर बताए। उस समय वहां मौजूद किसी भी शिक्षक ने इस पर सहमति व्यक्त नहीं की थी। इसके बावजूद भाजपा लगातार डोटासरा पर झूठे आरोप लगाकर उन्हें बदनाम करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आज तक किसी ने उनसे यह नहीं कहा कि डोटासरा ने ट्रांसफर या पोस्टिंग के बदले पैसे लिए हैं। उन्होंने दोहराया कि उन्होंने कभी भी डोटासरा पर कोई आरोप नहीं लगाया और भाजपा का उद्देश्य केवल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की छवि खराब करना है। सभाओं में लग रहे *चौथी बार गहलोत सरकार* के नारों पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे नारे सुनकर उन्हें संकोच होता है और वे कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश भी करते हैं। हालांकि यह कार्यकर्ताओं की भावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाईकमान टिकट वितरण और संगठन से जुड़े फैसले लगातार सर्वे के आधार पर करता है। गहलोत ने दावा किया कि राजस्थान की जनता वर्तमान भाजपा सरकार से नाराज है और आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने की पूरी संभावना है।

जनहित से जुड़े हर मुद्दे को सदन में रखें जनप्रतिनिधि : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान भवन में सर्वदलीय बैठक को किया संबोधित

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्ता पक्ष व विपक्षी दलों के जनप्रतिनिधियों (विधानसभा/विधान परिषद सदस्यों) से कहा कि जनहित से जुड़े हर मुद्दे को सदन में रखें। साथ ही स्वस्थ चर्चा कर विकास को और गति प्रदान करने में सरकार का सहयोग करें। उन्होंने विपक्षी दलों से सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने की अपील भी की। मुख्यमंत्री रविवार को विधान भवन में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में आयोजित सर्वदलीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। यह बैठक 3 अगस्त (सोमवार) से शुरू हो रहे विधानसभा के मानसून सत्र के संचालन के संबंध में आयोजित की गई थी। बैठक में नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मानसून सत्र में आमजन से जुड़े मुद्दों पर स्वस्थ चर्चा होनी चाहिए। इससे प्रदेश का विकास भी होता है और जनता की समस्याओं का समाधान भी। जनप्रतिनिधि को जनता के हित से जुड़े हर मुद्दों को सदन में गंभीरता से उठाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सभी सदस्यों से अपील की कि सदन के सुचारु संचालन में सभी सदस्यों का सहयोग मिलना चाहिए, इसमें किसी भी प्रकार की बाधा न आए। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भी सदन के सुचारु संचालन के लिए सभी सदस्यों का सहयोग मांगा। बैठक में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, वित्त/संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी से रघुराज प्रताप सिंह *राजा भैया,* निषाद पार्टी विधानमंडल दल के नेता रमेश सिंह, अपना दल (एस) के आरके पटेल तथा राष्ट्रीय लोकदल के राजपाल बालियान आदि मौजूद रहे।

सावन महोत्सव में झूमीं महिलाएं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

अररिया (हिंस)। अग्रवाल महिला मंच की ओर से रविवार को फारबिसगंज के श्री मारवाड़ी अतिथि सदन में सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं, युवतियों एवं बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं सांस्कृतिक रंग में रंग दिया। सावन गीतों, संगीत, नृत्य, खेल एवं विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों से दिनभर आयोजन स्थल गुलजार रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष घनश्याम अग्रवाल, संरक्षक राजकुमार अग्रवाल, अग्रवाल महिला मंच की अध्यक्ष चित्रा मित्तल, पवन अग्रवाल, सौरव अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, आदर्श गोयल, कमल मित्तल, महेश अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोगों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उद्घाटन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। महिलाओं एवं युवतियों ने सावन के पारंपरिक गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया। कार्यक्रम में आयोजित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता भी आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के विजेताओं सहित सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। महोत्सव के दौरान स्वादिष्ट व्यंजनों, विभिन्न खेलों, परिधानों, लड्डू गोपाल के वस्त्र एवं झूले सहित अनेक आकर्षक स्टॉल लगाए गए, जहां लोगों ने खरीदारी के साथ-साथ विभिन्न व्यंजनों का भी आनंद लिया। पूरे आयोजन के दौरान महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का संचालन अग्रवाल महिला मंच की सचिव संगीता अग्रवाल एवं युवती मंच की सचिव संगीता गोयल ने संयुक्त रूप से किया।

भारत-चीन सीमा पर गुलजार हुआ कारोबार, 14000 फुट की ऊंचाई पर फिर शुरू हुआ लेन-देन, 38 व्यापारियों को मिला परमिट

नई दिल्ली

भारत और चीन के बीच छह साल से बंद पड़ा सीमा व्यापार एक बार फिर शुरू हो गया है। सिक्किम में नाथू ला और हिमाचल प्रदेश में शिपकी ला दर्रे के रास्ते यह व्यापार फिर से बहाल हुआ। कोविड-19 महामारी और सीमा संबंधों में आए तनाव के कारण साल 2020 से यह व्यापार बंद था। समुद्र तल से 14,000 फुट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित इन रणनीतिक दर्रों से व्यापार की वापसी दोनों देशों के बीच संबंधों में एक नई सुबह का संकेत है। सिक्किम के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की सचिव कर्मा डी. युत्सो ने बताया कि पूर्वी सिक्किम स्थित नाथू ला में औपचारिक उद्घाटन समारोह में दोनों देशों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। यह मौसमी व्यापार नवंबर तक प्रत्येक सप्ताह सोमवार से गुरुवार के बीच चलेगा। इस साल 38 पंजीकृत व्यापारियों को व्यापार पास जारी किए गए हैं। इस मार्ग से हस्तशिल्प, हथकरघा उत्पाद, पारंपरिक धार्मिक सामग्री और रेडीमेड परिधान सहित 36 अधिसूचित वस्तुओं का व्यापार होगा। सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं, जिसमें भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के साथ-साथ पहली बार महिला आईटीबीपी प्लाटून भी नाथू ला में तैनात की गई है। गौरतलब है कि 1962 के युद्ध के बाद बंद हुआ यह दर्रा 2006 में चार दशक से अधिक समय बाद फिर से खोला गया था।

यूपीआई ने जुलाई में रचा नया कीर्तिमान, लेनदेन 23.66 बिलियन पार

मुंबई। भारत में डिजिटल पेमेंट की लहर लगातार मजबूत हो रही है। जुलाई 2026 में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने लेनदेन के सभी पुराने रिकार्ड तोड़ दिए, जब इसके माध्यम से कुल 23.66 बिलियन ट्रांजैक्शन हुए जिनकी कुल वैल्यू 29.88 ट्रिलियन रुपये दर्ज की गई। यह आंकड़ा अब तक का सबसे उच्चतम स्तर है और जून महीने की तुलना में वाल्यूम में 4.1 फीसदी और वैल्यू में 3.3 फीसदी की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाता है। पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले लेनदेन की संख्या में 22 फीसदी और मूल्य में 19 फीसदी का उछाल आया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि किसी खास मौसमी या बाहरी कारण से नहीं, बल्कि लोगों के रोजमर्रा के इस्तेमाल और डिजिटल भुगतान की बढ़ती स्वाभाविक आदत का परिणाम है। अब यूपीआई का दायरा सिर्फ मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि टियर-2, टियर-3 शहरों और ग्रामीण इलाकों में भी यह स्थानीय खरीदारी, बिल भुगतान और पैसे ट्रांसफर के लिए एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है।

न्यूज ब्रीफ

रोल्टा इंडिया समाधान योजना को एनसीएलएटी से हरी झंडी, दूरसंचार विभाग की चुनौती खारिज

NCLAT
National Company Law Appellate Tribunal

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने कर्ज में डूबी रोल्टा इंडिया लिमिटेड की समाधान योजना को चुनौती देने वाली दूरसंचार विभाग (डीओटी) की याचिका खारिज कर दी है। न्यायाधिकरण ने स्पष्ट किया कि समाधान योजना को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है और उसका क्रियान्वयन भी पूरा हो चुका है, ऐसे में इस स्तर पर इसमें हस्तक्षेप करना उचित नहीं होगा। डीओटी ने रोल्टा इंडिया पर समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) से संबंधित 469.09 करोड़ रुपए के बकाया लाइसेंस शुल्क का दावा करते हुए एनसीएलटी द्वारा मंजूर समाधान योजना को चुनौती दी थी। यह योजना एशडन प्रापर्टीज ने 900 करोड़ रुपए में पेश की थी। डीओटी का तर्क था कि समाधान योजना में सरकारी और वैधानिक संस्थाओं के साथ उचित व्यवहार नहीं किया गया। एनसीएलएटी की पीठ ने एनसीएलटी के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि समाधान योजना अंतिम चरण में है और लागू हो चुकी है। न्यायाधिकरण ने पाया कि डीओटी ने समाधान पेशेवर द्वारा 469.09 करोड़ रुपए के दावे को अस्वीकार्य लेकिन आकस्मिक श्रेणी में रखे जाने को समय पर चुनौती नहीं दी, बल्कि एनसीएलटी के बजाय दूरसंचार विवाद निपटान एवं अपीलीय न्यायाधिकरण (टीडीसैट) चला गया, जिससे उसका दावा कमजोर पड़ गया। एनसीएलएटी ने जोर दिया कि एक बार समाधान योजना को मंजूरी और सफल क्रियान्वयन के बाद, पुराने मुद्दों को फिर नहीं उठाया जा सकता। पीठ ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि सफल आवेदक को अघोषित देनदारियों का बोझ नहीं दिया जा सकता, जिनकी जानकारी समाधान प्रक्रिया के दौरान नहीं थी।

होर्मुज जलडमरूमध्य में एलएनजी टैंकर पर हमला, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर मंडराया खतरा

नई दिल्ली। मध्य-पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव ने वैश्विक व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा पर एक और गहरा प्रभाव डाला है। दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापारिक धमनियों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य में कतर से लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) लेकर जा रहे एक टैंकर पर हमला हुआ है। सिक्योरिटी इंटेलिजेंस फर्मों और शिप ट्रैकिंग डेटा से पता चला है कि इस हमले के कारण टैंकर फंस गया है, जिससे सुपर-चिल्ड फ्यूल की वैश्विक डिलीवरी में और रुकावट आने का खतरा पैदा हो गया है। सिक्योरिटी कंसल्टेंसी वैनगार्ड टेक और मारिस्क ने इस जहाज की पहचान गैसलाग शिपाई एलएनजी टैंकर के तौर पर की है। ओमान तट के पास स्ट्रेट से गुजरते समय इस पर एक अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ।

डालर ने फीकी की सोने-चांदी की चमक, एक हफ्ते में 1600 से ज्यादा टूटा सोना

नई दिल्ली। अमेरिकी डालर की बढ़ती ताकत और ट्रेजरी बान्ड यील्ड में आए उछाल के चलते पिछले हफ्ते सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आई इस सुस्ती का असर भारत के सर्राफा और वायदा बाजार पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जहां 24 कैरेट सोना 1672 रुपए प्रति 10 ग्राम सस्ता हुआ, जबकि चांदी 6476 रुपए प्रति किलोग्राम टूट गई। सोने-चांदी की कीमतों में रिकार्ड गिरावट पिछले कारोबारी हफ्ते में 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने का भाव सोमवार को 1,44,532 रुपए से गिरकर शुक्रवार तक 1,42,860 रुपए पर आ गया, जो कि महज पांच दिनों में 1.15 फीसदी की गिरावट है। इसी तरह, चांदी की कीमतों में भी तेज गिरावट दिखी; सोमवार को 2,24,771 रुपए प्रति किलो बिकने वाली चांदी हफ्ते के अंत तक 2,18,295 रुपए पर आ गई। इस तेज गिरावट ने निवेशकों को हैरान कर दिया है। डालर की मजबूती और फेड के रुख ने बढ़ाया दबाव बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सोने-चांदी की कीमतों में यह गिरावट मुख्य रूप से अमेरिकी डालर की बढ़ती ताकत और ट्रेजरी यील्ड में आए उछाल के कारण हुई है। डालर के मजबूत होने से अन्य मुद्राओं वाले निवेशकों के लिए सोना महंगा हो जाता है, जबकि ऊंची ट्रेजरी यील्ड बिना ब्याज वाले सोने में निवेश को कम आकर्षक बनाती है। इसके अलावा, फेडरल रिजर्व के अपेक्षाकृत सख्त रुख और मजबूत श्रम बाजार ने निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को कमजोर कर दिया है।

आरबीआई, कच्चे तेल और कंपनियों के नतीजों पर रहेगी बाजार की नजर

इस सप्ताह बाजार का सबसे बड़ा फोकस आरबीआई की एमपीसी बैठक पर रहेगा

मुंबई

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में करीब 3 फीसदी की मजबूत बढ़त दर्ज करने के बाद, निवेशकों की निगाहें अब भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक पर टिकी हैं, जिसके फैसले 5 अगस्त को आने वाले हैं। इसके साथ ही अमेरिका-ईरान तनाव, कच्चे तेल की कीमतें, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और कार्पोरेट नतीजों का नया दौर इस सप्ताह बाजार की अगली दिशा तय करेगा। इस सप्ताह बाजार का सबसे बड़ा फोकस आरबीआई की एमपीसी बैठक पर रहेगा।

केंद्रीय बैंक के सतर्क रुख से बैंकिंग और ब्याज दर से जुड़े सेक्टर प्रभावित हो सकते हैं। मध्य-पूर्व के भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी निवेशकों के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के खिलाफ सैन्य हमले रोकने के संकेत से तनाव कम हो सकता है, लेकिन स्ट्रैट आफ होर्मुज में जहाजों पर हमले की खबरों ने वैश्विक बाजारों की चिंता बढ़ाई है। इसी वजह से कच्चे तेल की कीमतों पर भी बाजार की पैनी नजर रहेगी। ब्रेंट क्रूड में तेजी दर्ज हुई थी और जुलाई में इसने मार्च के बाद सबसे बड़ी मासिक बढ़त दर्ज की। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें महंगाई की आशंका बढ़ा सकती हैं।

विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) की गतिविधियां भी बाजार के लिए अहम रहेंगी। लगातार बिकवाली के बाद एफआईआई पिछले तीन सत्रों में शुद्ध खरीदार बने हैं, खासकर मिडकैप और स्मालकैप शेयरों में उनकी दिलचस्पी बढ़ी है। वैश्विक तकनीकी शेयरों का रुझान भी भारतीय बाजार को प्रभावित कर सकता है, जहां माइक्रोसाफ्ट और अमेजन के मजबूत नतीजों ने भरोसा बढ़ाया है। इसके अतिरिक्त, अप्रैल-जून तिमाही के लिए 573 कंपनियां अपने वित्तीय नतीजे घोषित करेंगी, जिनमें एसबीआई, भारती एयरटेल और टाइटन जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं।

बीते सप्ताह शीर्ष नौ कंपनियों ने 2.5 लाख करोड़ जोड़े, बजाज फाइनेंस सबसे आगे

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार ने पिछले सप्ताह जबरदस्त उछाल देखने को मिला, जिससे शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2,51,228.75 करोड़ रुपए की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस तेजी का सबसे बड़ा लाभार्थी बजाज फाइनेंस रहा, जिसकी बाजार हैसियत में सर्वाधिक वृद्धि हुई। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,034.87 अंक यानी 2.67 प्रतिशत चढ़ा, जबकि एनएसई निफ्टी 616.15 अंक यानी 2.59 प्रतिशत की बढ़त में रहा। इस सकारात्मक रुझान का सीधा असर देश की दिग्गज कंपनियों पर पड़ा। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 80,345.97 करोड़ रुपये बढ़कर 7,10,817.51 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी को जून तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ में 28 प्रतिशत की वृद्धि से बड़ा फायदा मिला, जिसके बाद उसके शेयर आठ प्रतिशत से अधिक उछले। अन्य प्रमुख लाभान्वित कंपनियों में भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 44,959.50 करोड़ रुपये बढ़कर 12,30,005.63 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने अपने बाजार मूल्यांकन में 40,414.03 करोड़ रुपये की वृद्धि देखी, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की बाजार हैसियत 39,447.35 करोड़ रुपये बढ़कर 17,69,108.79 करोड़ रुपये हो गई। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी), भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एचडीएफसी बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और आईसीआईसीआई बैंक के बाजार मूल्यांकन में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

पीएनबी की अनुषंगी कंपनियों के मौद्रीकरण की तत्काल योजना नहीं : बैंक अधिकारी

नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का अपनी अनुषंगी कंपनियों के मौद्रीकरण का तत्काल कोई इरादा नहीं है। बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मजबूत पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) के साथ बैंक का जोर इन कंपनियों की कार्यक्षमता और कारोबार को मजबूत कर उनका मूल्य बढ़ाने पर है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 18 प्रतिशत है, जो नियामक आवश्यकता (11.5 प्रतिशत) से काफी अधिक है और 30 जून, 2026 तक 18.13 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। इस मजबूत स्थिति के कारण, बैंक बाजार से अतिरिक्त धन जुटाने की तत्काल योजना नहीं बना रहा है। पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस और पीएनबी गिल्ट्स जैसी सभी प्रमुख अनुषंगी कंपनियों की पूंजी की स्थिति अच्छी है और उन्हें फिलहाल अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता नहीं है। बैंक इन कंपनियों को और मजबूत कर भविष्य में अधिकतम मूल्य हासिल करने की दिशा में काम कर रहा है। चालू वित्त वर्ष में बैंक करीब 5,000 करोड़ रुपये के एटी-1 और टियर-2 बान्ड का भुगतान करेगा, जिससे ब्याज खर्च में लगभग 300 करोड़ रुपये की बचत होगी। उन्होंने अनुमान जताया कि चालू वित्त वर्ष में बैंक का शुद्ध लाभ 20,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर सकता है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 16,904 करोड़ रुपये था। बैंक लगातार 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का तिमाही मुनाफा दर्ज कर रहा है। विकास को गति देने के लिए बैंक खुदरा, कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) और स्वयं सहायता समूहों को ऋण विस्तार के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में देख रहा है। चालू वित्त वर्ष में ऋण वृद्धि को 12-13 प्रतिशत और जमा वृद्धि को 9-10 प्रतिशत बनाए रखने का लक्ष्य है।

पूंजी पर्याप्तता अनुपात मजबूत, 20,000 करोड़ से अधिक शुद्ध लाभ का अनुमान

बैंक आफ महाराष्ट्र ने आवास ऋण पर ब्याज दर घटाकर सात प्रतिशत किया

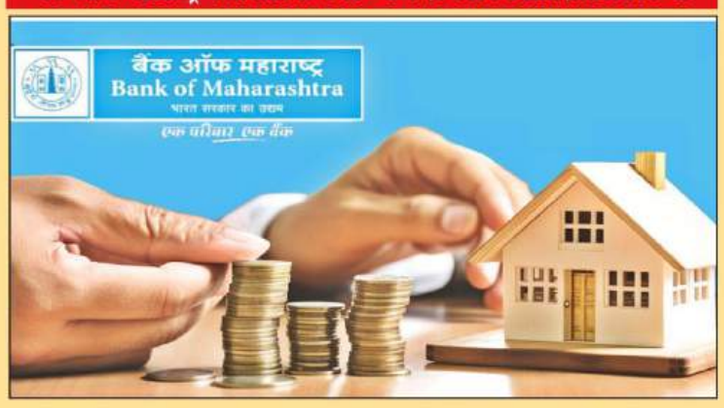

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक आफ महाराष्ट्र ने ग्राहकों को बड़ी राहत देते हुए अपने आवास ऋण पर ब्याज दरों में कटौती की है। बैंक ने एक सीमित अवधि की विशेष पेशकश मानसून धमाका के तहत होम लोन की ब्याज दर को 7.1 प्रतिशत से घटाकर अब मात्र 7 प्रतिशत कर दिया है। बैंक आफ महाराष्ट्र द्वारा जारी बयान के अनुसार, इस योजना में केवल कम ब्याज दर ही नहीं, बल्कि ग्राहकों को प्रसंस्करण शुल्क और दस्तावेजीकरण शुल्क से भी पूरी छूट दी जाएगी। बैंक ने कहा कि इस विशेष पेशकश का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराना और उन्हें अपने घर के सपने को पूरा करने में सहायता देना है। बैंक का दावा है कि आवास ऋण पर 7 प्रतिशत और वाहन कर्ज पर 7.45 प्रतिशत की उनकी ब्याज दरें उद्योग में सबसे प्रतिस्पर्धी दरों में शामिल हैं। इन सुविधाओं से ग्राहकों पर मासिक किस्त का बोझ काफी कम होगा। यह नई दरें एक सीमित अवधि के लिए लागू रहेंगी।

मारुति ने जुलाई में रिकार्ड वाहन उत्पादन दर्ज किया, 2.48 इकाई के पार पहुंचा आंकड़ा

जुलाई में कंपनी ने 2,48,845 वाहनों का उत्पादन किया, जो इसी महीने के आंकड़े से 33 प्रतिशत अधिक

नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने जुलाई में अपना रिकार्ड मासिक उत्पादन दर्ज किया है। जुलाई में कंपनी ने 2,48,845 वाहनों का उत्पादन किया, जो पिछले साल के इसी महीने के आंकड़े 1,87,073 इकाई के मुकाबले 33 प्रतिशत अधिक है।कंपनी का इससे पहले का सर्वश्रेष्ठ मासिक उत्पादन रिकार्ड मार्च, 2026 में बना था, जब उसने 2,31,933 वाहनों का विनिर्माण किया था।मारुति सुजुकी के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने बताया कि रिकार्ड उत्पादन के बावजूद डीलर नेटवर्क में वाहन का स्टाक सामान्य स्तर से काफी कम है। जुलाई में कंपनी की खुदरा बिक्री 1.78 लाख इकाई रही। उन्होंने कहा कि डीलर नेटवर्क में मौजूदा स्टाक करीब 16 दिन का है, जबकि उद्योग का औसत लगभग 30 दिन का रहता है। कंपनी के पास करीब 1.6 लाख वाहनों की बुकिंग लंबित है। कंपनी ने जुलाई में घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की अब तक की सबसे अधिक थोक बिक्री दर्ज की। इस दौरान कंपनी ने 1,96,203 यात्री वाहन बेचे, जो जुलाई, 2025 के 1,37,776 वाहन की तुलना में 43 प्रतिशत अधिक है। हल्के वाणिज्यिक वाहनों को शामिल करने पर कुल घरेलू बिक्री 2,00,123 इकाई के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई।

उत्पादन के मामले में कंपनी ने जुलाई में आल्टो और एस-प्रेसो की 13,964 इकाइयों का विनिर्माण किया, जबकि पिछले साल इसी महीने यह आंकड़ा 11,484 इकाई था।वहीं, बलेनो, सेलेरियो और स्विफ्ट जैसे काम्पैक्ट माडल का उत्पादन बढ़कर 1,13,067 इकाई हो गया, जो पिछले वर्ष के समान महीने के आंकड़े 87,950 इकाई से 29 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के लोकप्रिय यूटिलिटी वाहन ब्रेजा, अर्टिगा और फ्रान्क्स का उत्पादन भी तेजी से बढ़ा। जुलाई में इन माडल की 1,02,787 इकाइयों का उत्पादन हुआ, जबकि पिछले साल जुलाई में यह आंकड़ा 70,241 इकाई था। इसमें 46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

त्योहारी मांग के बीच किसानों की कम आवक से तेल-तिलहनों के दाम मजबूत

सरकार को एमआरपी और आयातकों की दुर्दशा पर ध्यान देने की जरूरत

नई दिल्ली

देश के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह सभी खाद्य तेलों और तिलहनों के दाम में मजबूती दर्ज की गई। आगामी त्योहारों की मांग में तेजी और किसानों द्वारा फसल की आवक घटने से कीमतों में उछाल आया है। फिलहाल घरेलू बिनौला, सरसों और मूंगफली तेल आयातित तेलों की तुलना में महंगे बिक रहे हैं। बाजार सूत्रों के अनुसार, किसान पहले ही ऊंचे दाम का लाभ ले चुके हैं और अब मौजूदा, हालांकि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से ऊपर, कीमतों पर अपनी उपज (बिनौला, सोयाबीन, सरसों) बेचने से कतरा रहे हैं, जिससे आवक प्रभावित हुई है। त्योहारों की बढ़ती मांग ने भी इस स्थिति को और मजबूत किया है। सूत्रों ने सरकार से खाद्य तेलों के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) को नियंत्रित और व्यवस्थित करने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि इसमें मनमाने ढंग से हेरफेर होता है। उदाहरण के लिए, थोक में सरसों और मूंगफली तेल का दाम लगभग 170 रुपये प्रति किलोग्राम है, लेकिन खुदरा में मूंगफली तेल काफी महंगा मिलता है। सूत्रों के अनुसार, सरसों तेल का एमआरपी 180-185 रुपये प्रति लीटर से अधिक नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, आयातकों की वित्तीय तंगी के कारण लागत से नीचे दामों पर बिकवाली भी एक बड़ी समस्या है। विशेषज्ञों ने सरसों की बढ़ती मांग के मद्देनजर सरकार को अक्टूबर में आने वाली सोयाबीन और मूंगफली का पर्याप्त स्टाक बनाए रखने की सलाह दी है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 125 रुपये के सुधार के साथ 8,250-8,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों तेल दादरी 100 रुपये के सुधार के साथ 16,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमश: 15-15 रुपये के सुधार के साथ क्रमश: 2,720-2,820 रुपये और 2,720-2,870 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश: 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमश: 7,525-7,575 रुपये और 7,375-7,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,800 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 12,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

औद्योगिक मांग बढ़ने के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 7,400-7,975 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 50 रुपये के सुधार के साथ 17,150 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 20 रुपये के सुधार के साथ 2,700-3,000 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 75 रुपये के सुधार के साथ 15,775 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 14,575 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

फिंच ने सर्वकालिक एकदिवसीय टीम में सचिन से पहले विराट को रखा

सिडनी

आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एरोन फिंच ने अपनी पसंदीदा खिलाड़ियों की सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय टीम बनायी है। हैरानी की बात ये है कि फिंच ने अपनी इस टीम में शीर्ष -8 बल्लेबाजों की जो रैंकिंग जारी की है उससे क्रिकेट जगत में विवाद उठ गया है। फिंच ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को दूसरे स्थान पर रखा है जबकि विराट कोहली को पहले पायदान पर रखा है। वहीं भारत के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को फिंच की इस प्रतिष्ठित सूची में शीर्ष-3 में भी जगह नहीं मिल पाई, जिससे कई क्रिकेट प्रशंसकों में नाराजगी है।

गौरतलब है कि एकदिवसीय प्रारुप में जब भी सर्वकालिक महान बल्लेबाजों की बात होती है, तो तेंदुलकर और विराट के बीच तुलना होना लाजमी है पर फिंच ने आंकड़ों और आधुनिक क्रिकेट में प्रभाव के विश्लेषण के आधार पर एक अलग निष्कर्ष निकाला। फिंच के अनुसार, आधुनिक क्रिकेट की चुनौतियों, दबाव और मैच जिताने की निरंतर क्षमता को देखते हुए विराट इतिहास के सबसे महान वनडे बल्लेबाज हैं।

कोहली जिस दबाव में खेलते हुए निरंतर मैच जिताऊ पारियां खेलते हैं, वह उन्हें सचिन से आगे खड़ा करती है। वहीं अगर आंकड़ों के दृष्टिकोण से इस तुलना को देखें, तो तेंदुलकर ने अपने करियर में 463 एकदिवसीय मैचों की 452 पारियों में 18,426 रन बनाए हैं, जिसमें 49 शतक और 96 अर्धशतक शामिल हैं जबकि विराट कोहली ने अब तक खेले गए अपने 314 एकदिवसीय मुकाबलों की 302 पारियों में ही 14,941 रन बना लिए हैं। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कम मैच खेलने के बावजूद विराट ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में 54 शतक और 79 अर्धशतक जड़े हैं। सचिन के मुकाबले काफी कम मैच खेलकर शतकों के मामले में उनसे आगे निकल जाना ही विराट की उस क्षमता को दर्शाता है, जिसने एरोन फिंच जैसे दिग्गज को कोहली को सचिन से ऊपर नंबर एक पायदान पर रखने पर मजबूर किया। फिंच ने स्वीकार किया कि सचिन का युग और उनके द्वारा बनाए गए रनों को कभी भुलाया नहीं जा सकता, लेकिन मौजूदा युग के समीकरणों में विराट का प्रभाव थोड़ा भारी पड़ता है।

इस सूची में तीसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के मिस्टर 360 डिग्री बल्लेबाज एबी डिविलियर्स को जगह मिली है, जिनकी मैदान के चारों तरफ शाट खेलने की क्षमता ने एकदिवसयी क्रिकेट की परिभाषा ही बदल दी थी। वहीं, आस्ट्रेलिया को दो बार अपनी कप्तानी में विश्व कप जिताने वाले रिकी पोंटिंग को फिंच ने चौथे स्थान पर रखा है।

क्रिकेट इतिहास के सबसे खौफनाक और आक्रामक बल्लेबाजों में से एक, वेस्टइंडीज के सर विवियन रिचर्ड्स को फिंच की इस रैंकिंग में छठा स्थान मिला, जिसके पीछे फिंच ने एक मजबूरी बताई। दरअसल, उन्हें दिए गए विकल्पों में रिचर्ड्स का नाम सबसे अंत में आया था और सूची के स्लाट पहले ही भर चुके थे, जिसके चलते उन्हें मजबूरी में छठे स्थान पर समायोजित करना पड़ा। सूची के अंतिम दो पायदानों पर श्रीलंका के आक्रामक सलामी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या और आस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट का कब्जा रहा। जयसूर्या को 7वें और गिलक्रिस्ट को 8वें स्थान पर रखा गया।

न्यूज ब्रीफ

तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन सुपर-300 बैडमिंटन टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीतकर इतिहास रचा

ताइपे (ताइवान)। भारत की 17 वर्षीय उभरती बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन सुपर-300 बैडमिंटन

टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। रविवार को खेले गए फाइनल में तन्वी ने वियतनाम की थुई लिन्ह गुयेन को सीधे गेमों में 21-16, 21-16 से हराकर अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब अपने नाम किया। महज 36 मिनट तक चले मुकाबले में तन्वी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और अनुभवी वियतनामी खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया। इस शानदार जीत के साथ उन्होंने अपने करियर की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की। पिछले साल यूएस ओपन सुपर-300 में उपविजेता रहीं तन्वी ने इस बार खिताब जीतकर साबित कर दिया कि वह भारतीय बैडमिंटन की अगली बड़ी स्टार बनने की राह पर हैं। उनके खेल में लगातार आक्रामकता और निरंतरता साफ दिखाई दी। भारतीय बैडमिंटन संघ (बाएआई) ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स' पर तन्वी की उपलब्धि की सराहना करते हुए लिखा, 17 साल की उम्र... रिकार्ड तोड़ने वाली... चैंपियन! तन्वी शर्मा ने ताइपे ओपन 2026 जीतकर टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे युवा चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। साथ ही वह सुपर-300+ खिताब जीतने वाली भारत की चौथी महिला एकल खिलाड़ी भी बन गई हैं। तन्वी ने फाइनल में पहुंचने से पहले सेमीफाइनल में चीनी ताइपे की हुआंग यू-हसुन को 21-17, 21-11 से हराया था। तन्वी शर्मा की यह ऐतिहासिक जीत भारतीय बैडमिंटन के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है और आने वाले वर्षों में उनसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

भगवान बालाजी की शरण में पहुंचे हार्दिक पंड्या, पूजा के साथ ही मुंडन भी कराया

तिरुपति। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी आलराउंडर हार्दिक पंड्या तिरुपति बालाजी की शरण में पहुंचे हैं। पंड्या भक्ति भ्राव से तिरुमाला स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना करते दिखे। इस दौरान उनके बदले हुए स्वरूप ने सभी को हैरान कर दिया। हार्दिक ने भगवान वेंकटेश्वर के दरबार में मुंडन भी कराया। इस दैरान वह सफेद कमीज, लुंगी और गले में गमछे में दिखे। उन्होंने भगवान बालाजी की पूजा अर्चना कर आर्शीवाद भी प्राप्त किया। उनके इस नए लुक को देखकर कई प्रशंसक भी हैरान हो गये। मंदिर में प्रवेश के लिए हार्दिक ने पारंपरिक अंगवस्त्रम धारण किया, जिसमें सफेद कमीज के साथ सफेद लुंगी और गले में गमछा शामिल था। दक्षिण भारतीय परंपरा में यह पहनावा पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। इस दौरान उनकी महिला मित्र महिका शर्मा भी मौजूद थीं। हार्दिक ने मंदिर के तय प्रोटोकाल के तहत भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए। दर्शनोपरांत, मंदिर के पुजारियों ने उन्हें वैदिक आशीर्वाद प्रदान किया और पवित्र तीर्थ प्रसाद भेंट किया। दरअसल, तिरुमाला मंदिर में श्रद्धालु अपनी श्रद्धा और मन्नत पूरी होने पर केशदान करते हैं, और हार्दिक ने भी इसी परंपरा के तहत अपना मुंडन कराया।

दिलीप ट्राफी मुकाबलों में लाल गेंद से होगी वैभव की असली परीक्षा

मुम्बई। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबज वैभव सूर्यवंशी की असली परीक्षा अब दिलीप ट्राफी मुकाबलों में लाल

गेंद से खेलते समय होगी। सीमित ओवरों के प्रारूप में वैभव ने जमकर रन बनाये हैं पर लाल गेंद से रन बनना आसान नहीं होता। आगामी दलीप ट्राफी उनके लिए केवल एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाला मंच साबित होगा। चयनकर्ताओं ने उन पर बड़ा भरोसा जताते हुए उन्हें टीम का उपकप्तान नियुक्त किया है, जो उनके लिए अतिरिक्त दबाव के साथ ही प्रेरणास्पद भी होगा। जहां एक ओर वैभव अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सफेद गेंद क्रिकेट में छाये रहते हैं। वहीं वहीं फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनकी राह उतनी आसान नहीं रही है। पिछले आईपीएल सत्र में उन्होंने राजस्थान रायल्स की ओर से खेलते हुए 16 मैचों में 237.30 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए थे और आरेंज कैप जीती थी। इसके अलावा, वह टीम इंडिया के लिए टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भी खेल चुके हैं और लिस्ट-ए मैचों में 43.88 की औसत से 564 रन बनाए हैं। लेकिन रणजी ट्राफी के आंकड़े एक विपरीत रहे हैं। वैभव ने जनवरी 2024 में मुंबई के खिलाफ महज 12 साल की उम्र में अपना रणजी डेब्यू कर इतिहास रचा था। 8 फर्स्ट क्लास मैचों में उनका औसत केवल 17.25 रहा है, जिसमें वे 207 रन ही बना सके हैं। इस प्रारूप में उनका सबसे अधिक स्कोर 93 रन है और वे अभी तक एक भी शतक नहीं लगा पाए हैं।

ग्लासगो में भारतीय बाक्सरों की चमक, अंकुश सचिन स्वर्ण विजेता, लवलीना को रजत

ग्लासगो

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। अंकुश पंघाल और सचिन सिवाच ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत के मुक्केबाजी अभियान को नई ऊंचाई दी, जबकि ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहाईं ने महिला 75 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। इन शानदार प्रदर्शनों की बदौलत भारत पदक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया।

अंकुश पंघाल बने 80 किग्रा वर्ग के चैंपियन

पुरुषों के 80 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में अंकुश पंघाल ने मेजबान इंग्लैंड के शिद्दू डिमेजी को 4-1 के स्प्लिट फैसले से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

पहले राउंड में कुछ जजों के स्कोरकार्ड पर पिछड़ने के बावजूद अंकुश ने दूसरे और तीसरे राउंड में शानदार वापसी की। आक्रामक पंच, सटीक काउंटर अटैक और बेहतरीन रिंग कंट्रोल के दम पर उन्होंने मुकाबले का रुख अपने पक्ष में कर लिया।

तीन जजों ने उन्हें 29-26 से विजेता घोषित किया, जबकि अन्य दो जजों ने 28-27 का फैसला दिया, जिनमें एक अंकुश और एक इंग्लैंड के मुक्केबाज के पक्ष में था।

सचिन सिवाच ने रोमांचक मुकाबले में जीता गोल्ड

पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में भारत के सचिन सिवाच ने नामीबिया के ट्रायअगेन मोर्नी नदेवेलो को बेहद करीबी मुकाबले में 3-2 के स्प्लिट निर्णय से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

तीनों राउंड में कांटे की टक्कर देखने को मिली। सचिन ने पूरे मुकाबले में संयम बनाए रखा और निर्णायक मौकों पर सटीक पंच लगाकर जजों को प्रभावित किया। अंत में तीन जजों ने भारतीय मुक्केबाज के पक्ष में फैसला सुनाया, जबकि दो जजों ने नामीबियाई खिलाड़ी को बढ़त दी।

लवलीना को मिला रजत पदक

महिला 75 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में भारत की स्टार मुक्केबाज और टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहाईं को आस्ट्रेलिया की एम्मा-सू ग्रीनट्री के खिलाफ 4-1 के स्प्लिट फैसले से हार का सामना करना पड़ा।

लवलीना ने पूरे मुकाबले में शानदार संघर्ष किया और कई प्रभावी पंच भी लगाए, लेकिन जजों ने आस्ट्रेलियाई मुक्केबाज की आक्रामकता और रिंग नियंत्रण को अधिक प्रभावी माना। इसके बावजूद लवलीना ने रजत पदक जीतकर भारत के पदक अभियान में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मुक्केबाजी में भारत का दबदबा

भारतीय मुक्केबाजों ने कुल नौ पदक जीते, जिनमें सात स्वर्ण और दो रजत शामिल रहे। स्वर्ण पदक जीतने वालों में अंकुश पंघाल, सचिन सिवाच, अरुंधति चौधरी, प्रिया, साक्षी, प्रीति और जैस्मीन शामिल हैं, जबकि लवलीना बोरगोहाईं और जादूमणि सिंह ने रजत पदक हासिल किए।

इसके अलावा पुरुषों की एफ-57 शाटपुट स्पर्धा में भारत ने पहला और दूसरा स्थान हासिल किया तथा जूडो में कांस्य पदक भी जीता। इन उपलब्धियों के दम पर भारत ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 की पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल कर लिया है। भारत के खाते में अब तक 35 पदक आ चुके हैं, जिनमें 11 स्वर्ण, 16 रजत और 8 कांस्य पदक शामिल हैं। मुक्केबाजी में अभी भी कई भारतीय खिलाड़ी फाइनल में पहुंच चुके हैं, जिससे पदकों की संख्या में और इजाफा होने की उम्मीद है।

देश के लिए लड़ते हुए गंवाया एक पैर, अब कामनवेल्थ में जीता स्वर्ण; सोमन राणा बोले- आसान नहीं थी राह

ग्लासगो

कामनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पैरा एथलीट सोमन राणा की सफलता संघर्ष, साहस और जज्बे की मिसाल है। पुरुष एफ57 शाटपुट स्पर्धा में 13.40 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर स्वर्ण जीतने वाले सोमन ने बताया कि भारतीय सेना में ड्यूटी के दौरान उन्होंने अपना दाहिना पैर गंवा दिया था। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और देश के लिए कामनवेल्थ गेम्स का स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रच दिया।

एक पैर गंवाने के बाद सब कुछ बदल गया

2022 एशियाई पैरा खेलों के रजत पदक विजेता सोमन ने कहा कि उनका सफर बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने बताया, मैं भारतीय सेना में हूं। 2006 में ड्यूटी के दौरान मेरा दाहिना पैर चला गया। उसके बाद भी मैं सेवा करता रहा, लेकिन जब पैरालंपिक खेलों के बारे में पता चला तो 2017 से इसकी तैयारी शुरू कर दी।

उन्होंने आगे कहा, एक पैर गंवाने के बाद बहुत मुश्किलें आई। आम इंसान छोटी चोट के बाद भी चलने में परेशानी महसूस करता है, जबकि मुझे कृत्रिम पैर के साथ चलना सीखना था और फिर उसी के साथ खेलों में उतरना था। धीरे-धीरे हर चुनौती को पार करते हुए मैं यहां तक पहुंचा।

दूसरे पैरा खिलाड़ियों से मिली प्रेरणा

सोमन ने बताया कि शुरुआती दिनों में उन्हें लगता था कि कृत्रिम पैर के सहारे खेलना संभव नहीं होगा। लेकिन दूसरे पैरा एथलीटों

को देखकर उनका आत्मविश्वास बढ़ा। उन्होंने कहा, शुरुआत में समझ नहीं आता था कि कृत्रिम पैर के साथ कैसे चलूंगा और कैसे खेलूंगा। फिर मैंने ऐसे पैरा एथलीटों को देखा, जिनका पूरा पैर ही नहीं था। तब मुझे लगा कि अगर वे इतना कर सकते हैं तो मैं भी कर सकता हूं। वहीं से मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली।

परिवार, सेना और साई को दिया सफलता का श्रेय

सोमन ने अपनी इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय परिवार, भारतीय सेना, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और पैरालंपिक कमेटी आफ इंडिया (पीसीआई) को दिया। उन्होंने कहा, परिवार, सेना, साई और पीसीआई ने हर कदम पर मेरा साथ दिया। उनके सहयोग की वजह से ही मैं इस मुकाम तक पहुंच पाया और देश के लिए स्वर्ण पदक जीत सका। मैं अपना यह मेडल उन सभी लोगों को समर्पित करता हूं, जिन्होंने मुश्किल समय में मेरा हौसला बढ़ाया।

सोमन राणा की यह कहानी बताती है कि मजबूत इरादों के सामने कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती। देश की सेवा करते हुए एक पैर गंवाने के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी और अब कामनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा बन गए।

अजारेई की हैट्रिक से नार्थईस्ट यूनाइटेड की धमाकेदार शुरुआत, बोडोलैंड एफसी को 6-0 से रौंदा

गुवाहाटी । गत चैंपियन नार्थईस्ट यूनाइटेड एफसी ने 135वें डूरंड कप में खिताब बचाने के अभियान का शानदार आगाज किया। इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में ग्रुप एफ के मुकाबले में नार्थईस्ट यूनाइटेड ने बोडोलैंड एफसी को 6-0 से करारी शिकस्त दी। वापसी कर रहे अलाउद्दीन अजारेई ने शानदार हैट्रिक लगाकर टीम की बड़ी जीत की नींव रखी। मैच से पहले हुआ भव्य उद्घाटन समारोह इससे पहले भव्य उद्घाटन समारोह में असम की सांस्कृतिक विरासत, भारतीय सशस्त्र बलों की सैन्य परंपराओं और एशिया के सबसे पुराने फुटबाल टूर्नामेंट की विरासत का शानदार संगम देखने को मिला। उद्घाटन समारोह में असम के खेल मंत्री बिस्वजीत दैमारी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। वित्त, पर्यावरण एवं वन मंत्री जयंत मल्लबरुआह, पूर्वी कमान के जनरल आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल वीएमबी कृष्णन, चतुर्थ कोर के जनरल आफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल नीरज शुक्ला समेत सेना और राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह की शुरुआत हाट एयर बैलून, जैज बैंड और सेना के ब्रास व पाइप बैंड की संयुक्त प्रस्तुति से हुई। इसके बाद कुतों के प्रदर्शन, सैन्य बैंड और एनसीसी की छात्राओं के बैंड ने दर्शकों का मनोरंजन किया।

अमेरिकी ओपन के मिश्रित युगल में पहली बार उतरेगी जोकोविच-साबालेंका की जोड़ी

न्यूयार्क

अमेरिका में इस माह के अंत में शुरु होने वाली यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट की मिश्रित युगल स्पर्धा इस साल और भी रोमांचक होगी। इसमें दुनिया के कई दिग्गज टेनिस सितारे एक साथ कोर्ट पर उतरने जा रहे हैं। इमसें सर्बिया के नोवाक जोकोविच और बेलारुस की महिला टेनिस स्टार आर्यना साबालेंका की जोड़ी है, जो पहली बार इस स्पर्धा में एक साथ खेलती नजर आएगी।

जोकोविच और साबालेंका 25 अगस्त से न्यूयार्क में शुरू होने वाली इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। टेनिस जगत इस जोड़ी को प्रतियोगिता की सबसे मजबूत जोड़ियों में से एक मान रहा है। पिछले वर्ष यूएस ओपन के मिश्रित युगल प्रारूप में बड़े बदलाव किए गए थे, जिसका उद्देश्य इसे अधिक आकर्षक बनाने और दुनिया के नामी एकल खिलाड़ियों को एक साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित करना था। हालांकि इस बदलाव को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं, पर इसका असर इस साल की स्टार-स्टडेड लाइनअप में साफ दिख रहा है।

इस बार भी कई चर्चित जोड़ियां मैदान में उतरने को तैयार हैं। ब्रिटेन के जैक ड्रेपर और अमेरिका की जेसिका पेगुला, जो पिछले वर्ष सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, एक बार फिर साथ

खेलेंगे। पोलैंड की इगा स्वियातेक और नार्वे के कैस्पर रूड, जो पिछले साल उपविजेता रहे थे, भी अपनी साझेदारी को दोहरा रहे हैं। इनके अलावा, जापान की नाओमी ओसाका और केई निशिकोरी, अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज और कजाकिस्तान की एलेना राइबाकिना, तथा रूस की मिरा आंद्रेयेवा और आंद्रेई रुबलेव ने भी साथ खेलने की इच्छा जताई है। इन जोड़ियों के मैदान में उतरने से प्रतियोगिता का स्तर और भी ऊंचा होने की उम्मीद है।

हालांकि, कुछ बड़े नाम इस बार प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं होंगे। स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्काराज अपनी कलाई की चोट से उबर रहे हैं, और उनकी वापसी की तारीख अभी तय नहीं हुई है। वहीं, हाल ही में विंबलडन का खिताब जीतने वाले यानिक सिनर ने अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए पहले कनाडाई ओपन से नाम वापस लिया था और अब उन्होंने यूएस ओपन मिश्रित युगल में भी भाग नहीं लेने का फैसला किया है।

विश्व फुटबाल में घमासान जारी फीफा और यूईएफए आमने-सामने आये

लंदन

विश्व फुटबाल में विवाद गहरा गया है। वैश्विक संस्था फीफा और यूरोपीय फुटबाल महासंघ (यूईएफए) आमने-सामने आ गये हैं। उसके सदस्य देशों ने कड़ा रुख अपना लिया है। स्थिति इतनी गंभीर है कि यूईएफए अपने 55 सदस्य फुटबाल संघों की आपात बैठक बुलाने की तैयारी में है, जिसमें भविष्य के विश्व कप के संभावित बहिष्कार जैसे गंभीर विकल्पों पर चर्चा हो सकती है। इस विवाद का कारण फीफा की वह योजना है जिसके तहत वह अपनी एक नई इकाई फीफा फारवर्ड एंटरप्राइज में अल्पांश हिस्सेदारी बाहरी निवेशकों को बेचने की योजना बना रहा है। इस इकाई के पास पुरुष और महिला विश्व कप सहित फीफा की सभी प्रमुख प्रतियोगिताओं के व्यावसायिक और आयोजन संबंधी अधिकार होंगे। रिपोर्टों के अनुसार, फीफा इस पहल से लगभग 4.2 अरब डालर जुटाना चाहता है, जबकि इस इकाई का

प्रारंभिक मूल्यांकन 20 अरब डालर आंका गया है। इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए फीफा ने वैश्विक वित्तीय सेवा कंपनी जे. पी. मार्गन की सेवाएं ली हैं, और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जारेड कुशनर के भाई जोशुआ कुशनर की निवेश कंपनी थ्राइव इटरनल का नाम संभावित निवेशकों में सामने आया है।

वहीं यूईएफए ने फीफा के इस प्रस्ताव पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है फुटबाल की शीर्ष संस्थाओं को कभी इस प्रकार का काम नहीं करना चाहिए। यूईएफए का स्पष्ट मत है कि फुटबाल की आत्मा, उसका संचालन और उसकी पारदर्शिता किसी व्यावसायिक सौदे का हिस्सा नहीं बन सकती। संगठन ने दो टूक शब्दों में कहा है कि फुटबाल किसी एक संस्था की निजी संपत्ति नहीं है और इसे बेचा नहीं जा सकता।

गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब फीफा के किसी बड़े प्रस्ताव पर यूईएफए ने इतना कड़ा रुख अपनाया हो। इससे पहले 2021 में भी यूईएफए और यूरोपीय देशों ने विश्व कप को हर दो वर्ष में आयोजित करने के फीफा के प्रस्ताव का सफलतापूर्वक विरोध किया था। उस समय विश्व कप के बहिष्कार की चेतावनी के बाद फीफा को अपना प्रस्ताव वापस लेना पड़ा था।

वहीं दूसरी ओर, फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने इस प्रस्ताव का बचाव किया है। उनका तर्क है कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य फुटबाल की व्यावसायिक क्षमता को बढ़ाना और उससे होने वाली आय को दुनिया भर के सदस्य देशों तक पहुंचाना है, जिससे वैश्विक स्तर पर खेल के विकास को नई गति मिलेगी। फीफा ने अपने 211 सदस्य देशों को इस योजना के समर्थन के लिए अधिक आर्थिक सहायता का भी प्रस्ताव दिया है। योजना के अनुसार, वर्ष 2031 से 2034 के व्यावसायिक चक्र में प्रत्येक सदस्य संघ को 2 करोड़ डालर तक की सहायता मिल सकती है, जो मौजूदा 80 लाख डालर की व्यवस्था से काफी अधिक है। फीफा का यह भी कहना है कि नई इकाई बनने के बाद भी प्रतियोगिताओं, खेल के नियमों, अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर और प्रशासनिक फैसलों पर उसका पूरा नियंत्रण बना रहेगा, साथ ही सदस्य देशों को इस नई वित्तीय व्यवस्था का हिस्सा बनने या न बनने की स्वतंत्रता भी होगी।

धीमी गति से फैलता है कार्सिनॉइड ट्यूमर

फेफड़े के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स को धीमी गति का कैंसर कहा जाता है, क्योंकि इसका विकास बहुत ही धीमी गति से होता है और अन्य ट्यूमर्स की अपेक्षा शरीर के अन्य भागों में इसके फैलने की आशंका भी बहुत कम होती है। हालांकि हमेशा ऐसा नहीं होता है। कभी-कभी इसका विकास और फैलाव अपेक्षाकृत जल्दी हो सकता है।

अधिकांश कार्सिनॉइड ट्यूमर्स की शुरूआत छोटी आंत में होती है, लेकिन लगभग 25 प्रतिशत फेफड़ों में शुरू होते है। कार्सिनॉइड ट्यूमर्स फेफड़ों के मध्य से शुरू होते हैं। कुछ कार्सिनॉइड ट्यूमर्स विशेषकर जो गैस्ट्रो इंटेस्टाईन ट्रैक्ट या अपेंडिक्स में पनपते हैं वे ऐसे हार्मोन होते हैं जिनसे अनेक लक्षण उत्पन्न होते हैं। जबकि फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स में कभी भी ऐसा नही होता हैं। हालांकि यह घातक होने की क्षमता रखता है लेकिन फिर भी धीरे धीरे बढ़ने के कारण कार्सिनॉइड ट्यूमर्स होने पर भी लोग आमतौर पर कई वर्षों तक जीवित रहते है और कभी-कभी तो एक सामान्य जीवन जीते हैं।

कार्सिनॉइड ट्यूमर्स के प्रकार–फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स के दो प्रकार होते हैं- विशिष्ट कार्सिनॉइड ट्यूमर्स और असामान्य कार्सिनॉइड ट्यूमर्स।

असामान्य कार्सिनॉइड ट्यूमर्स

विशिष्ट कार्सिनॉइड ट्यूमर्स की अपेक्षा असामान्य कार्सिनॉइड ट्यूमर्स लगभग नौ गुना ज्यादा पाए जाते हैं, इनकी फेफड़ों तक फैलने की सम्भावना बहुत कम होती है।

विशिष्ट कार्सिनॉइड ट्यूमर्स

विशिष्ट प्रकार के कार्सिनॉइड बहुत दुर्लभ होते हैं। वह असामान्य की तुलना में तेजी से बढ़ते है और इनके फेफड़ों से बाहर फैलने के ज्यादा मौके होते हैं। फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स अधिकतर 45 से 55 वर्ष की आयु के पुरूषों और महिलाओं में समान रूप से पाए जाते हैं। फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स को वर्गीकृत करने का एक और रास्ता भी है कि उसे उनके स्थान द्वारा वर्गीकृत किया जाए। केन्द्रीय कार्सिनॉइड फेफड़ों के बीच निकट बड़े वायुमार्ग की दीवारों में पाए जाते हैं। परिधीय कार्सिनॉइड संकरा वायु मार्ग में फेफड़ों के किनारों के करीब पाए जाते हैं। दोनों केंद्रीय और परिधीय कार्सिनॉइड आमतौर पर विशिष्ट कार्सिनॉइड हैं।

दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स ट्यूमर का एक असामान्य प्रकार है जो फेफड़ों में शुरू होता हैं और अन्य प्रकार के फेफड़ों के कैंसर की तुलना में धीमी वृद्धि करते हैं। फेफड़ों के कार्सिनॉइड ट्यूमर्स विशेष प्रकार की कोशिकाओं से बनते हैं जो न्यूरोएन्डोक्राइन कोशिका कहलाती हैं।

न्यूरोएन्डोक्राइन कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि से कार्सिनॉइड ट्यूमर

ज्यादातर कार्सिनॉइड ट्यूमर छोटी आंत से आरंभ होते हैं लेकिन कैंसराभ फेफड़ों ट्यूमर सभी कारसीनोइड ट्यूमर के बारे में 10% का प्रतिनिधित्व करते हैं। कार्सिनॉइड फेफड़ों ट्यूमर में 1%-6% सभी फेफड़ों के ट्यूमर शामिल हैं।

यह जानने के बाद कभी नहीं चटकाएंगे उंगलियां

हमारी हड्डियां लिगामेंट से एक दूसरे से जुड़ी होती हैं और जहां दो हड्डियां आपस में जुड़ती हैं उसे जोड़ कहते हैं जब हम उंगलियां चटकाते हैं और इस तरह हड्डियों को एक दूसरे से दूर खींचते हैं। तो उंगलियों के जोड़ों में एक विशेष प्रकार का द्रव पाया जाता है, ऐसे में द्रव में बुलबुले बन जाते हैं। जब हम जोड़ों को काफी अधिक खींचते हैं तो यह बुलबुले फूट जाते हैं और हड्डियों के जोड़ पर मौजूद ऊतक नष्ट भी हो सकते हैं।

जान का खतरा बन सकता है ट्रैफिक

खोजकर्ताओं के मुताबिक, ट्रैफिक जाम में बार-बार फंसने से आपकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। अगर आप एक घंटे से ज्यादा ट्रैफिक जाम में फंसते हैं तो दिल का दौरा पड़ने का खतरा बढ़ जाता है। ट्रैफिक जाम के कारण गाड़ियों से निकलने वाला धुआं जहरीली गैस बनाता है, जो कि कि घर में बैठे व्यक्ति की तुलना में ट्रैफिक में फंसे लोगों को कई गुना अधिक प्रभावित करता है।

लेसिक आई सर्जरी के फायदे और नुकसान

अन्य सर्जरी की तुलना में लेसिक सर्जरी कम खतरनाक है । यह आसान है और मात्र 30 मिनट में ही हो जाती है। इसे एक बार कराने के बाद दोबारा नहीं करा सकते हैं।

आंखें कुदरत की ओर से दी गई सबसे कीमती उपहार हैं। ये जितनी कीमती हैं, उतनी ही संवेदनशील भी हैं। इसलिए तो लोग आंखों का विशेष ख्याल रखते हैं और थोड़ा भी सरदर्द होने पर तुरंत डॉक्टर से जांच करवाते हैं। पहले लोग आंखों की समस्या से निजात पाने के लिए चश्मा पहनते थे। लेकिन चश्मा एक बार चढ़ गया तो जिंदगी भर लगाना पड़ता है। लेकिन विकसित होती तकनीक ने आंखों के उपचार को आसान कर दिया है। आजकल डॉक्टर चश्मा लगाने वाले को लेसिक सर्जरी करने की हिदायत देते हैं और लोग लेसिक सर्जरी का फायदा भी उठा रहे हैं। लेसिक सर्जरी कराने से पहले डॉक्टर से परामर्श जरूर लें। आइए इस लेख में लेसिक सर्जरी के फायदे और नुकसान के बारे में जानते हैं।

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इससे जुड़ी किसी भी तरह की सर्जरी कराने से पहले चिकित्सक की सलाह जरूर लें।

आंखें कुदरत की ओर से दी गई सबसे कीमती उपहार हैं। ये जितनी कीमती हैं, उतनी ही संवेदनशील भी हैं। इसलिए तो लोग आंखों का विशेष ख्याल रखते हैं और थोड़ा भी सरदर्द होने पर तुरंत डॉक्टर से जांच करवाते हैं। पहले लोग आंखों की समस्या से निजात पाने के लिए चश्मा पहनते थे।

लेकिन चश्मा एक बार चढ़ गया तो जिंदगी भर लगाना पड़ता है। लेकिन विकसित होती तकनीक ने आंखों के उपचार को आसान कर दिया है। आजकल डॉक्टर चश्मा लगाने वाले को लेसिक सर्जरी करने की हिदायत देते हैं और लोग लेसिक सर्जरी का फायदा भी उठा रहे हैं। लेसिक सर्जरी कराने से पहले डॉक्टर से परामर्श जरूर लें। आइए इस लेख में लेसिक सर्जरी के फायदे और नुकसान के बारे में जानते हैं।

क्या है लेसिक सर्जरी

जो लोग चश्मा पहनते हैं और जिनका पावर -1 से -10 के बीच है, उन्हें तुरंत आंखों की लेसिक सर्जरी करवानी चाहिए। जांच में देख लें कि आपके कॉर्निया की थिकनेस कैसी है। जितनी अधिक थिकनेस होगी इस सर्जरी का फायदा उतना अधिक होगा। साथ ही लेसिक सर्जरी की सबसे अच्छी बात है कि ये अन्य दूसरी सर्जरी की तुलना में ज्यादा आसान और बेहतर है। यह सस्ती होती है और इसमें कॉर्निया को नुकसान पहुंचने का खतरा न के बराबर होता है। जबकि दूसरी सर्जरी में कॉर्निया पर खतरा ज्यादा रहता है।

लेसिक सर्जरी के फायदे

- लेसिक सर्जरी 30 मिनट या उससे कम समय में हो जाती है। साथ ही यह सर्जरी आंखों के लिए काफी प्रभावी और कारगार मानी गई है, जिस कारण अधिकतर लोग आंखों के लिए लेसिक सर्जरी करने की हिदायत देते हैं।
- 92-98% लोग आंखों की समस्या से निजात पाने के लिए लेसिक सर्जरी का ही सहारा लेते हैं, क्योंकि ये आंखों की दृष्टि के लिए काफी फायदेमंद होती है और किसी भी अन्य सर्जरी की तुलना में आसान और किफायती होती है।
- लेसिक सर्जरी दृष्टि से जुड़ी सभी समस्याओं और खतरों को काफी हद तक दूर कर देती है।

लेसिक सर्जरी के नुकसान

- लेसिक सर्जरी आंखों के सबसे संवेदनशील हिस्से में की जाती है और इसे दोबारा नहीं किया जा सकता है।
- लेसिक सर्जरी के कुछ दिनों के बाद ही लोगों को पढ़ने के लिए तो चश्मे की जरूरत पड़ती ही है।
- सबसे बड़ा खतरा लेसिक सर्जरी का ये है कि, ये आपकी इंश्योरेंस पॉलिसी का हिस्सा नहीं होता। मतलब की इस सर्जरी के दौरान अगर आपकी आंखों को कुछ होता है तो इसकी जिम्मेदारी न डॉक्टर की और न इंश्योरेंस विभाग की होगी।
- आंखें अनमोल हैं, इसलिए इससे जुड़ी किसी भी तरह की सर्जरी कराने से पहले चिकित्सक की सलाह जरूर लें।

प्राकृतिक उपायों से दूर करें होठों का कालापन

होंठों को खूबसूरत बनाने के लिए आप क्या नहीं करतीं। लिपस्टिक, लिप बाम, माश्चराइजर और ना जाने क्या-क्या। लेकिन, होंठों पर लगाए जाने वाले कई उत्पाद वास्तव में उन्हें खूबसूरत बनाने के बजाय लंबे समय में उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। अगर आप भी अपने होठों के फटने या कालेपन से परेशान हैं तो इस लेख में बताए गए उपायों को अपनाकर अपनी समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

कोको बटर

दो बड़े चम्मच कोको बटर, आधा छोटा चम्मच मधु वैक्स लीजिए। उबलते पानी पर एक बर्तन में वैक्स डालकर पिघला दीजिए। इसमें कोको बटर मिलाएं। अब इस मिश्रण को ठंडा होने के बाद ब्रश की मदद से होंठों पर लगाइए। इससे होंठ मुलायम होंगे और उनका कालापन दूर हो जाएगा।

दूध की मलाई

होंठों से रूखापन हटाने के लिए थोडी सी मलाई में चुटकी भर हल्दी? मिलाकर नियमित रूप से धीरे-धीरे होठों पर मालिश करें। आप देखेंगे कि इस घरेलू उपाय से कुछ ही दिनों में आपके होठ मुलायम और गुलाबी होने लगेंगे।

गुलाब की पंखुडियां

होंठों के कालेपन को दूर करने के लिए गुलाब की पंखुड़ियां बहुत ही फायदेमंद होती है। इसके नियमित इस्तेमाल से होठों का रंग हल्का गुलाबी और चमकदार हो जाएगा इसके लिए गुलाब की पंखुडियों को पीसकर उसमें थोड़ी सी ग्लिसरीन मिलाकर इस घोल को रोज रात को सोते समय अपने होंठों पर लगाकर सो जाएं और सुबह धो लें।

- **नींबू:** क्या आप जानते है होंठों को कालापन नींबू से भी दूर हो सकता है। इसके लिए आप निचोड़े हुए नींबू को अपने होठों पर सुबह और शाम को रगड़ें।
- **केसर** होंठों का कालापन दूर करने के लिए कच्चे दूध में केसर पीसकर होंठों पर मलें। इसके इस्तेमाल से होंठों का कालापन तो दूर होता ही है साथ ही वे पहले से अधिक आकर्षक बनने लगते हैं।
- **शहद:** शहद के इसेंतेमाल से कुछ ही दिनों में आपके होंठ चमकदार और मुलायम हो जाते हैं। इसके लिए थोड़ा-सा शहद अपनी उंगली में लेकर धीरे-धीरे अपने होंठों पर मलें या फिर शहद में थोड़ा सा सुहागा मिलाकर अपने होंठों पर लगाएं। ऐसा एक दिन में दो बार करें फिर देखें इसका असर।
- **अंडे की जर्दी:** अंडा खाना आपकी सेहत के लिए तो अच्छा होता ही हैं, लेकिन क्या आप जानते है यह होंठों का कालापन दूर करने में भी सहायक होता है। होंठों पर अंडे की जर्दी का लेप लगाने से होंठों की लालिमा बरकरार रहती है।
- **जैतून का तेल:** यदि होंठ पूरी तरह से फट चुके हैं और उनमें कालापन भी आ रहा है तो जैतून का तेल यानी ऑलिव ऑयल और वैसलीन मिलाकर दिन में तीन या चार बार फटे होंठों पर लगाने से फायदा होता है। इनका लेप होंठों पर 4-5 दिन लगातार लगाने से होठो की दरारें भी भरने लगती हैं और होंठ हल्के गुलाबी भी होने लगते हैं।
- **चुकंदर:** चुकंदर को ब्लड बनाने वाली मशीन भी कहते है। चुकंदर होंठ के लिए भी उतना ही फायदेमंद होता है। चुकंदर को काटकर उसके टुकड़े को होंठों पर लगाने से होठ गुलाबी व चमकदार बनते हैं।

जहरीली मकड़ी काटने पर करें ये घरेलु उपाय

घर की नियमित सफाई नहीं होती है तो मकड़ी के जालें दिखने लगते हैं। सामान्य मकड़ी द्वारा काटा जाना हमारे लिए इतना घातक नहीं होता। लेकिन कुछ खास प्रकार की मकड़ियां जैसे ब्लैक विडो, या ब्राउन स्पाइडर इनका काटना खतरनाक भी हो सकता है। ये मकड़ियां काफी जहरीली होती हैं। इन मकड़ियों के काटने पर जब यह अपना जहर काटे गए हिस्से में छोड देती है तो वहां सूजन, तेज खुजली, दर्द, लाल हो जाना और जलन जैसे लक्षण उभर कर सामने आते हैं। ऐसे में हम कुछ घरेलु उपचारों द्वारा इस परेशानी से निजात पा सकते हैं-

सबसे पहले काटे गए स्थान को अच्छे से धो लें और फिर बर्फ से सिकाई करें। इस से न सिर्फ जलन और दर्द में राहत मिलेगी बल्कि सूजन भी कम होगी। याद रहे कि बर्फ को सीधे उस जगह पर न रखें नही तो जलन और तेज हो सकती है। बेकिंग सोडा एक या दो चम्मच लेकर पानी के साथ मिलकर पेस्ट बना लें और काटने के स्थान पर लगाएं। इस विधि से काटे गए स्थान पर जल्दी राहत मिल जाएगी।

यदि एक बार में काम न चलें तो इस विधि को कुछ समय बाद दोबारा भी दोहराया जा सकता है। नमक इस जहर को उतारने में बहुत उपयोगी औषधि है, यह मकड़ी ही नहीं अनेकों विषाक्त कीड़ों के काटने पर राहत दे सकता है। इसके लिए एक छोटे चम्मच नमक की लेकर इसे काटे गए स्थान पर किसी कपड़े की सहायता से बांध दें। इसे तब तक बंधा रहने देना चाहिए जब तक कि सूजन कम न होने लगे।

कैंसर, डायबिटीज और मोटापे का दुश्मन है यह फल

आलूबुखारे का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। कहते हैं कि एक कटोरा भर के फलों में जितने पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं उतने ही एक आलूबुखारे में होते हैं। आलूबुखारा कई पोषक तत्वों और मिनरल्स से भरपूर होता है। इसमें विटामिन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, कॉपर, आयरन, पोटेशियम और फाइबर मौजूद होते हैं। आलूबुखारा खाने से कैंसर, डायबिटीज और मोटापे संबंधी कई गंभीर रोगों में आराम मिलता है।

> आलूबुखारा कई पोषक तत्वों और मिनरल्स से भरपूर होता है। इसमें विटामिन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, कॉपर, आयरन, पोटेशियम और फाइबर मौजूद होते हैं।

अस्थिभंग की आशंका नहीं

एक शोध के अनुसार रोजाना आलूबुखारा खाने से अस्थिभंग यानी हड्डियों की क्षति की आशंका को कम किया जा सकता है। आयु बढ़ने के साथ ही हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में सूखा आलूबुखारा हड्डियों को मजबूती प्रदान करता है। एक नए अध्ययन में पता चला है कि आलूबुखारा हड्डी टूटने से बचा सकता है। अध्ययन के अनुसार यदि महिलाएं रजोनिवृत्ति के बाद इस फल का सेवन करें तो वे स्वयं को ओस्टियोपोरेसिस और हड्डी टूटने से बचा सकती हैं। अध्ययन में पता चला है कि प्रतिदिन 10 आलूबुखारा खाने से अस्थिभंग की आशंका को कम किया जा सकता है। आयु बढने के साथ ही हड्डी टूटने का खतरा बढ़ जाता है। सूखा आलूबुखारा हड्डियों को मजबूती प्रदान करने के लिए सूखे अंजीर, सूखे स्ट्रॉबेरी, सूखे सेब और किशमिश से अधिक लाभकारी है।

इन बातों का रखें ध्यान

आलूबुखारे में आयरन होता है जो एनीमिया (रक्त की कमी) के रोगियों के लिए फायदेमंद होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट की मौजूदगी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। इसके कई तरह के पोषक तत्व शरीर को नियंत्रित करने का काम करते हैं। कोई भी व्यक्ति इसे खा सकता है लेकिन जिन्हें गले में खराश, खांसी और जुकाम की समस्या हो वे इन्हें खाने से परहेज करें। एक दिन में इनकी 100 से 150 ग्राम मात्रा खाई जा सकती है। जहां तक संभव हो इन्हें इनके मौसम में ही खाना चाहिए।

इसके हैं कई लाभ

- आलूबुखारे में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है। इससे पेट संबंधी समस्या दूर होकर पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है। इसके सेवन से पेट में भारीपन नहीं होता है और आंतों को भी आराम मिलता है। आलूबुखारे में फैट की मात्रा कम होती है जिससे मोटापा नहीं बढ़ता और वजन नियंत्रण में रहता है।
- इसमें विटामिन ए और बीटा कैरोटीन अधिक मात्रा में होता है।
- विटामिन-ए, आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।
- आलूबुखारे में पोषक फाइबर जिया एक्साथिन होता है जो आंखों के रेटिना को मजबूत बनाता है।
- आलूबुखारा कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है। इसमें घुलनशील फाइबर होता है जो शरीर में बढ़ने वाले कोलेस्ट्रॉल पर नियंत्रण रखता है।
- यह बालों से संबंधित समस्याओं में राहत दिलवाने में मदद करता है।

रेसिपी

मिलानो मिनेस्ट्रान

सामग्री

1/4 कप गेहूं से बना पैने, 2 टी-स्पून सूखा ऑरेगानो, 1 1/2 टी-स्पून तेल, 2 टेबल-स्पून बारीक कटे हुए प्याज़, 2 तेजपत्ता, 1 1/2 कप बारीख कटे हुए गाजर, 2 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई फूलगोभी, 2 टेबल-स्पून हरे मटर, 3/4 कप छिले और बारीक कटे हुए आलू, 3 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई पतागोभी, 1 टेबल-स्पून कोर्नफलॉर , 1/2 कप पानी में घोला हुआ, 2 टेबल-स्पून कटे हुए टमाटर, 4 टेबल-स्पून टमाटर की प्यूरी, नमक और ताज़ी पीसी काली मिर्च स्वादअनुसार, **सजाने के लिए,** 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ पार्सले,

विधि

एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, प्याज़ और तेजपत्ता डालकर मध्यम आंच पर 30 सेकन्ड तक भूनें। गाजर, फूलगोभी, हरे मटर और 5 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर बीच-बीच में हिलाते हुए 2-3 मिनट तक पकाएं। आलू, पतागोभी और गेहूं से बने पैने डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर 7 से 8 मिनट या सब्ज़ी के नरम होने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। कोर्नफ्लॉर-पानी का मिश्रण, टमाटर, टमाटर की प्यूरी, ऑरेगानो, नमक और काली मिर्च डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए 1 से 2 मिनट तक पकाएं। पार्सले से सजाकर गरमा गरम परोसें।

दही सौंफीयानी टिक्की

सामग्री

1 कप चक्का दही, 1/2 कप कसा हुआ पनीर, 3 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून कटा हुआ लहसुन, एक चुटकी शक्कर, नमक स्वादअनुसार, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ पुदिना, 1 टी-स्पून सौंफ पाउडर, 1 टेबल-स्पून घी, 2 टेबल-स्पून भूनी हुई चना दाल का पाउडर, 2 टी-स्पून कोर्नफ्लॉर, तेल , तलने के लिए

विधि

दही, पनीर, हरी मिर्च, लहसुन, शक्कर, नमक, धनिया, पुदिना और सौंफ पाउडर को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। पैन में घी गरम करें, भुनी हुई चना दाल का पाउडर, दही का मिश्रण और कोर्नफ्लॉर डालकर मिश्रण के गाढ़े होने तक या पैन से अलग होने तक पका लें। ठंडा करने एक तरफ रख दें। मिश्रण को 8 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग के गोल चपटी टिक्की बना लें। मध्यम आंच पर कढ़ाई में तेल गरम करें और टिक्की को दोनो तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ में निकालकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**